**NEET Bulletin Helpline No.**
**8800265682**
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
# विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 102 लखनऊ, बुधवार 27 नवंबर 2024 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

## हर आतंकी संगठन को देंगे मुंहतोड़ जवाब, हमारा संविधान मार्गदर्शक है – मोदी

नई दिल्ली एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुप्रीम कोर्ट में आयोजित संविधान दिवस समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण पर्व का जब हम स्मरण कर रहे हैं, तब ये भी नहीं भूल सकते कि आज के ही दिन मुंबई में हुए आतंकी हमले की भी बरसी है। इस हमले में जिन व्यक्तियों का निधन हुआ, उन्हें मैं श्रद्धांजलि देता हूं। मैं देश का यह संकल्प भी दोहराता हूं कि भारत की सुरक्षा को चुनौती देने वाले हर आतंकी संगठन को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। मोदी ने कहा कि हमारे संविधान निर्माता ये जानते थे कि भारत की आकांक्षाएं, भारत के सपने समय के साथ नई ऊंचाई पर पहुंचेंगे। वो जानते थे कि आजाद भारत की और भारत के नागरिकों की जरूरतें बदलेंगी, चुनौतियां बदलेंगी। इसलिए उन्होंने हमारे संविधान को महज कानून की एक किताब बनाकर नहीं छोड़ा, बल्कि इसको एक जीवंत, निरंतर प्रवाहमान धारा बनाया। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान देश की हर अपेक्षा और जरूरत पर खरा उतरा है। यह संविधान की ताकत ही है कि आज जम्मू–कश्मीर में बाबा साहेब का संविधान पूरी तरह से लागू हो सका है। पहली बार जम्मू–कश्मीर में संविधान दिवस मनाया गया।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत परिवर्तन के एक बड़े दौर से गुजर रहा है और भारत का संविधान हमें राह दिखा रहा है। यह हमारे लिए मार्गदर्शक बन गया है। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान, हमारे वर्तमान और हमारे भविष्य का मार्गदर्शक है। आज हर देशवासी का एक ही ध्येय है– विकसित भारत का निर्माण। उन्होंने कहा कि भारतीयों को त्वरित न्याय मिले, इसके लिए नई न्याय संहिता लागू की गई है। दंड आधारित व्यवस्था अब न्याय आधारित व्यवस्था में बदल चुकी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, 53 करोड़ से ज्यादा ऐसे भारतीयों का बैंक खाता खुला है, जो बैंक के दरवाजे तक नहीं पहुंच पाते थे। पिछले 10 वर्षों में, 4 करोड़ ऐसे भारतीयों को पक्का घर मिले हैं, जो कई कई पीढ़ियों से बेघर थे। पिछले 10 वर्षों में, 10 करोड़ से ज्यादा ऐसी महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन मिला है, जो वर्षों से अपने घर में गैस पहुंचने का इंतजार कर रही थी। उन्होंने कहा कि आज देश का बहुत ज्यादा जोर देश के नागरिकों को ईज ऑफ लीविंग पर है। एक समय था जब पेंशन पाने वाले सीनियर सिटीजन्स को बैंक में जाकर साबित करना होता था कि वो जीवित हैं। आज सीनियर सिटीजन्स को घर बैठे ही डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट की सुविधा मिल रही है।

मोदी ने कहा कि आज भारत वो देश है... जो हर गरीब परिवार को 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज का सुविधा देता है। आज भारत वो देश है... जो 70 साल के अधिक उम्र के हर बुजुर्ग को फ्री हेल्थकेयर की सुविधा देता है। उन्होंने कहा कि आज यह आसान लगता है कि लोगों को नल से पानी मिल जाए, लेकिन आजादी के 75 साल बाद भी सिर्फ 3 करोड़ घरों में ही यह सुविधा थी। उन्होंने कहा कि संविधान की मूल प्रति में भगवान राम, माता सीता की छवियां हैं। भारतीय संस्कृति के प्रतीक चित्र इसलिए हैं ताकि वे हमें मानवीय मूल्यों की याद दिलाते रहें। ये मानवीय मूल्य ही आज के भारत की नीतियों और निर्णयों की नींव हैं।

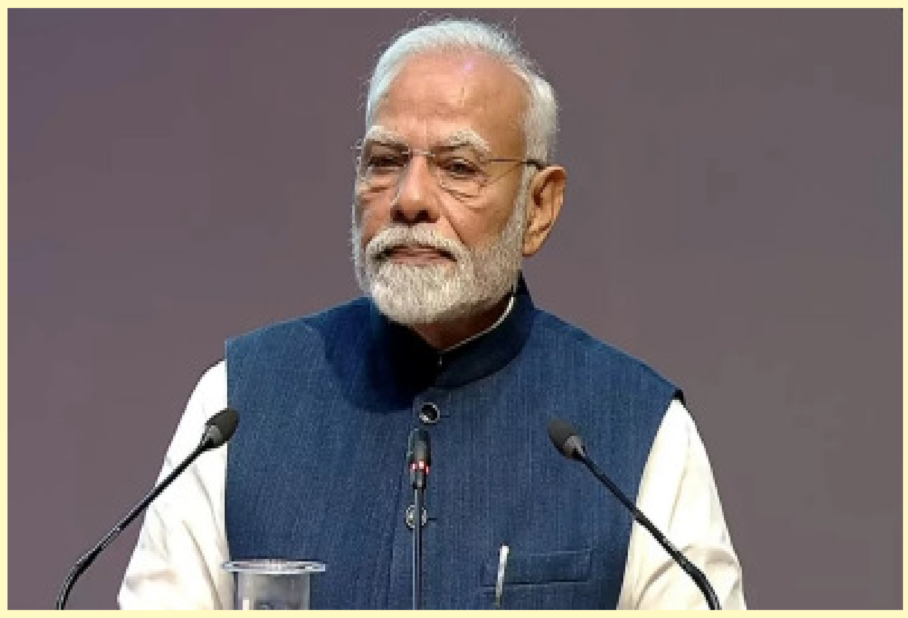

## लगातार चुनाव हार रही कांग्रेस ने बदली चुनावी रणनीति

लखनऊ संवाददाता। कांग्रेस विधानसभा चुनाव में नई रणनीति से मैदान में उतरेगी। वह प्रदेश की विधानसभा सीटों को तीन हिस्से में बांट कर सियासी तैयारी शुरू करने जा रही है। प्रथम वरीयता में 200 और द्वितीय वरीयता में 150 सीटें रखी हैं। अन्य सीटों को तृतीय वरीयता में रखकर जोर लगाएगी।

लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस और समाजवादी पार्टी में गठबंधन रहा। कांग्रेस को छह सीटें मिलीं तो सपा को 36 सीटें हासिल हुईं। विधानसभा उपचुनाव में सपा ने कांग्रेस को सिर्फ दो सीटें दीं। इससे खिन्न कांग्रेस ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। पार्टी ने भाजपा को हराने के लिए सपा को समर्थन देने का दावा किया, लेकिन सपा ने अपने मंच पर कांग्रेस नेताओं को नहीं बुलाया। नतीजा रहा कि सपा को सिर्फ दो और भाजपा को सात सीटें मिलीं।

विधानसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस का गठबंधन होगा या नहीं, यह तो भविष्य बताएगा, लेकिन दोनों दल नए सिरे से सियासी रणनीति बना रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश की 200 सीटों को प्रथम वरीयता में रख रही है।

इसके लिए पार्टी नेताओं से मशविरा कर सीटों का चयन करेगी। चयन का आधार पिछले पांच चुनाव में कांग्रेस को मिले वोट और अन्य दलों को मिले वोट का आकलन, वोट मिलने की वजह, संबंधित सीट पर मौजूदा जातिगत समीकरण का अध्ययन किया जाएगा। कोशिश होगी कि दलित, अल्पसंख्यक और पिछड़े वर्ग की बहुलता वाली सीटों को पहली वरीयता में रखा जाए। इसके बाद द्वितीय वरीयता के लिए सीटों का चयन किया जाएगा।

पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि प्रथम वरीयता वाली सीटों का चयन करने के बाद वहां जनहित को लेकर अलग–अलग कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। पार्टी के स्थानीय नेताओं को सक्रिय किया जाएगा। प्रदेश स्तरीय नेता भी इन सीटों में किसी न किसी कार्यक्रम के बहाने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते रहेंगे।

प्रदेश की सभी सीटों पर विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू की जाएगी। संगठन को भी सक्रिय किया जा रहा है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मशविरा शुरू किया गया है। जो 200 सीटें पार्टी के लिए मुफीद होंगी, उन पर ज्यादा जोर लगाया जाएगा। जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। वर्ष 2027 के चुनाव में कांग्रेस उभर कर सामने आएगी और भाजपा को हर हाल में हराएगी।–अजय राय, प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस

## दिल्ली चुनाव से पहले आतिशी का सनसनीखेज आरोप

दिल्ली एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि एलजी विनय सक्सेना आप समर्थकों को मतदाता सूची से हटवाकर चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि लगभग 20,000 मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाने के लिए चुनाव अधिकारियों पर दबाव डाला जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा को आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों में हार का डर है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अनुचित तरीकों से दिल्ली चुनाव जीतने की कोशिश कर रही है। वे मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाने की योजना बना रहे हैं, खासकर आप से जुड़े मतदाताओं को।

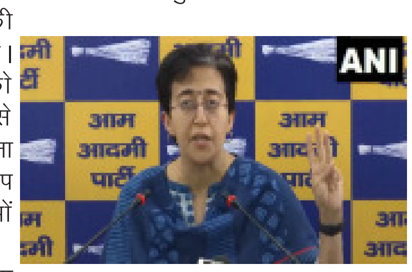


हालाँकि, भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता ने इस कथित साजिश में पहले कदम के रूप में दिल्ली के उपराज्यपाल के 28 अक्टूबर के आदेश का हवाला देते हुए 29 उप–विभागीय मजिस्ट्रेटों (एसडीएम) को स्थानांतरित कर दिया। उन्होंने बूथ स्तर के अधिकारियों से ऐसी कार्रवाइयों का विरोध करने की अपील करते हुए उनसे किसी भी अनुचित दबाव या जबरदस्ती का दस्तावेजीकरण करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि यदि कोई आपको मतदाताओं के नाम काटने के लिए मजबूर करता है, तो इसे रिकॉर्ड करें और मुझे भेजें। मैं कार्रवाई सुनिश्चित करूंगा. भारत का संविधान आज आपके हाथ में है। एक अन्य राजनीतिक घटनाक्रम में, सत्तारूढ़ आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को भाजपा पर अपना हमला तेज करते हुए आरोप लगाया कि वह हाल के वर्षों में शहर में कई झुग्गियों को ष्ध्वस्तष करने के बावजूद फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले ष्झुग्गी पर्यटनष का सहारा ले रही है।

आप के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के कुछ नेता झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वाले लोगों के साथ रहने वाले थे, लेकिन एक साल बाद वापस आकर उन्हें बुलडोजर से ध्वस्त कर देंगे। दिल्ली भाजपा अपना ष्झुग्गी रात्रि प्रवास अभियानष शुरू कर रही है, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा सहित वरिष्ठ नेताओं को अलग–अलग झुग्गियों में रहने और वहां रहने वाले लोगों के साथ बातचीत करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। 1998 से दिल्ली की सत्ता से बाहर भाजपा की नजर लगातार अभियानों और आउटरीच कार्यक्रमों के जरिए झुग्गी–झोपड़ियों में रहने वाले मतदाताओं पर है, जिन्हें आप और केजरीवाल का कट्टर समर्थक माना जाता है। पार्टी का रात्रि प्रवास अभियान शहर के 250 झुग्गी बस्तियों को कवर करेगा।

## गोल्डी बरार ने नाइट क्लब में हुए दोहरे विस्फोटों की जिम्मेदारी ली

गैंगस्टर गोल्डी बरार ने चंडीगढ़ के सेक्टर 26 में मंगलवार सुबह दो लोकप्रिय नाइट क्लबों के बाहर हुए दोहरे विस्फोटों की जिम्मेदारी कथित तौर पर ली है। सोशल मीडिया पोस्ट में बरार ने दावा किया कि उसके गिरोह ने डे'ओरा रेस्तरां और सेविले बार और लाउंज को निशाना बनाया, क्योंकि मालिकों ने फोन कॉल के जरिए की गई जबरन वसूली की मांग को नजरअंदाज कर दिया था।

हालांकि इन दावों की प्रामाणिकता की पुष्टि होनी बाकी है, चंडीगढ़ पुलिस ने कहा है कि वे मामले की सक्रियता से जांच कर रहे हैं और संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट की समीक्षा कर रहे हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया है कि जब तक सबूत आरोपों की पुष्टि नहीं कर देते, तब तक कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जाएगा। कम तीव्रता वाला बताया जा रहा विस्फोट सुबह करीब 4 बजे हुआ, जब मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने प्रतिष्ठानों के बाहर कच्चे विस्फोटक उपकरण फेंके। सौभाग्य से, कोई हताहत नहीं हुआ और न ही कोई बड़ी संपत्ति को नुकसान पहुंचा।

शुरुआती रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि उपकरणों को पटाखे की सामग्री के साथ पोटाश का उपयोग करके पतली जूट की रस्सियों के साथ बनाया गया था। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कच्चे उपकरणों को बम की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता, हालांकि उन्हें उल्लेखनीय प्रभाव पैदा करने के लिए पर्याप्त मात्रा में इस्तेमाल किया गया था। अधिकारी आस–पास के सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण कर रहे हैं और संदिग्धों की पहचान करने के लिए प्रत्यक्षदर्शियों के बयान मांग रहे हैं। इस्तेमाल की गई सामग्रियों के बारे में बात करते हुए, एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ष'ह स्थानीय रूप से उपलब्ध पदार्थों का उपयोग करके देसी बम बनाने का प्रयास प्रतीत होता है। गंभीर नुकसान पहुंचाने के बजाय डराने का इरादा था।' चंडीगढ़ पुलिस के सूत्रों के अनुसार, इस घटना को बम की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता, क्योंकि इस्तेमाल किया गया पदार्थ पटाखों के साथ पोटाश था, जो बहुत अधिक मात्रा में था।

## शपथ से पहले दिल्ली दौरे पर हेमंत सोरेन, पीएम मोदी और अमित शाह से की मुलाकात

दिल्ली एजेंसी। झारखंड के मनोनीत मुख्यमंत्री और झामुमो प्रमुख हेमंत सोरेन ने अपनी पत्नी और पार्टी नेता कल्पना सोरेन के साथ मंगलवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। संसद में शाह से मुलाकात के बाद सोरेन ने कहा कि आप सभी को नमस्कार। आने वाले दिनों में भी बैठकें होंगी। बहुत सारी चीजें हैं। हमें अपनी सरकार बनानी है। हम यहां आशीर्वाद के लिए आये हैं। झारखंड में नई सरकार बनाने की तैयारी के बीच सोरेन ने केंद्र के साथ आगे की चर्चा का संकेत दिया।

राज्य विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल करने के बाद, झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और नवनिर्वाचित सीएम हेमंत सोरेन 28 नवंबर को शपथ लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इससे पहले सोमवार को उन्होंने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात की और अपना इस्तीफा सौंप दिया। इसके अलावा, उन्होंने अगली विधानसभा में सरकार बनाने का दावा भी पेश किया। गुरुवार को हेमंत सोरेन के साथ कई अन्य विधायक भी शपथ ले सकते हैं। इस बीच मंत्री बनने वाले विधायकों के संभावित नामों पर चर्चा शुरू हो गई है. यहां उन संभावित नामों की सूची दी गई है जिन्हें हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है।

झामुमो के नेतृत्व वाला गठबंधन शनिवार को झारखंड में लगातार दूसरी बार सत्ता में आया और 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 सीटें जीतकर भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को पछाड़ दिया। झामुमो ने 34 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि गठबंधन सहयोगियों कांग्रेस और राजद ने क्रमशः 16 और चार निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की। सीपीआई (एमएल) लिबरेशन को दो सीटें मिलीं। दूसरी ओर, एनडीए को सिर्फ 24 सीटों से संतोष करना पड़ा, जिसमें बीजेपी ने 21 सीटें जीतीं, जबकि उसके तीन सहयोगियों – आजसू पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और जेडी (यू) को एक–एक सीट मिली।

## अब प्रभु श्री राम की नगरी में बिछेगी सियासी बिसात

लखनऊ।

प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या पिछले कुछ माह से काफी सुर्खियां बटोर रहा है। बीजेपी के हिन्दुत्व कह प्रयोगशाला समझे जाने वाली अयोध्या में लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को जीत मिली थी,जिससे बीजेपी की काफी किरकिरी हुई थी। बीजेपी को यह हार तब झेलनी पड़ी थी जबकि इससे कुछ माह पूर्व 500 वर्षो के लम्बे इंतजार के बाद यहां प्रभु श्रीराम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। यहां से सपा के अवधेश प्रसाद चुनाव जीते थे तो पहले मिल्कीपुर के विधायक थे। मिल्कीपुर में उपचुनाव का रास्ता साफ होने के बाद एक बार फिर से राजनीतिक हलचल बढ़ने की उम्मीद है। चुनाव टलने के बाद राजनीतिक दलों की दौड़ भाग कम हो गई थी। 23 नवंबर को उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों के उपचुनाव के आए नतीजों से लबरेज भारतीय जनता पार्टी मिल्कीपुर में कमल खिलाकर फैजाबाद सीट हारने का धब्बा मिटाना चाहती है। आम चुनाव में भाजपा से यह सीट छीनकर अपनी झोली में डालने वाली समाजवादी पार्टी भी इसे कतई गंवाना नहीं चाहती। इसके लिए वह पूरा दमखम लगाने के लिए तैयार है। अवधेश प्रसाद के निर्वाचन को चुनौती देने वाली पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा व एक अन्य की याचिका वापस होने के बाद मिल्कीपुर में चुनाव के रास्ते खुल गए हैं।

## राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप वापस ले सकते हैं अदाणी के खिलाफ रिश्वतखोरी मामला - सूत्र

न्यूयॉर्क एजेंसी। भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी पर अमेरिका की ओर से लगाए गए आरोपों को लेकर भारतीय अमेरिकी वकील रवि बत्रा ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति बनने के बाद अदाणी के खिलाफ रिश्वतखोरी के मामले को वापस ले सकते हैं।

अमेरिकी न्याय विभाग ने न्यूयॉर्क की अदालत में दावा किया था कि दिग्गज कारोबारी गौतम अदाणी और अन्य साथियों ने अपने फायदे के लिए निवेशकों के साथ धोखाधड़ी करने के लिए साजिश रची। अमेरिकी अभियोजकों का आरोप है कि 2020 और 2024 के बीच अदाणी कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों और अमेरिका स्थित परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों से 200 करोड़ डॉलर से अधिक बैंक ऋण जुटाया।

अदाणी और उनके सहयोगियों ने अमेरिकी निवेशकों की कीमत पर भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के

जरिये बड़े पैमाने पर राज्य ऊर्जा आपूर्ति अनुबंध हासिल करने और वित्तपोषित करने की साजिश रची। उन्होंने आंध्र प्रदेश और ओडिशा सरकार के अधिकारियों को महंगी सौर ऊर्जा खरीदने के लिए रिश्वत दी। इससे अदाणी समूह को अगले बीस वर्षों में दो अरब डॉलर से ज्यादा का मुनाफा हो सकता था।

रवि बत्रा ने कहा कि हर नए राष्ट्रपति के पास एक नई टीम होती है। डोनाल्ड ट्रंप 47वें राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होने पर किसी भी ऐसे मुकदमे और मामलों को निष्प्रभावी कर सकते हैं जो विरोधी को निशाना बनाने के लिए कानून का सहारा लेने पर आधारित है। कानून का अपने विरोधियों को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल करना अमेरिका के संघीय संविधान द्वारा दी गई कानून के समान संरक्षण की गारंटी के लक्ष्य को नकारता है।

उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को गौतम अदाणी भारतीय सरकार के साथ उठा सकते हैं और अनुरोध कर सकते हैं कि वह इस पर ट्रंप प्रशासन से बात करे। यदि आपराधिक या दीवानी आरोपों को बेबुनियाद या दोषपूर्ण माना जाता है तो राष्ट्रपति ट्रंप का नया न्याय मंत्रालय और एसईसी (प्रतिभूति और विनिमय आयोग) आपराधिक और दीवानी मामलों को वापस ले सकता है।

वहीं अदाणी के खिलाफ रिश्वतखोरी का आरोप अमेरिकी कानूनों के देश के बाहर लागू होने से भी जुड़ा है। क्योंकि भारतीय उद्योगपति और मामले के अन्य आरोपी यहां नहीं रहते हैं। ट्रंप 20 जनवरी 2025 को अमेरिका के नए राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे।

## पाकिस्तान में जारी हिंसक प्रदर्शन के चलते वापस लौटी श्रीलंकाई टीम

नई दिल्ली । पाकिस्तान के इस्लामाबाद में जारी हिंसक प्रदर्शन के बीच श्रीलंका ए की टीम ने स्वदेश लौटने का फैसला किया है। अब टीम पाकिस्तान शाहीन के खिलाफ जारी वनडे सीरीज के आखिरी दो मुकाबले नहीं खेलेगी। इसकी पुष्टि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने की। बोर्ड ने बताया कि यह फैसला श्रीलंका क्रिकेट के साथ बातचीत के बाद लिया गया।

पाकिस्तान शाहीन और श्रीलंका ए के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है। सोमवार को खेले गए पहले मैच में पाकिस्तान ने 108 रन से जीत दर्ज की थी। इस मैच में श्रीलंका ने 50 ओवर में सात विकेट पर 306 रन बनाए थे, जवाब में श्रीलंका की टीम 198 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गई। इस तरह मेजबानों ने सीरीज में 1–0 से बढ़त बना ली।

इस सीरीज के अंतिम दो मुकाबले बुधवार और शुक्रवार को रावलपिंडी में खेले जाने थे। हालांकि, पाकिस्तान में हो रहे राजीनितक प्रदर्शनों के बीच दोनों बोर्ड ने इन मैचों को स्थगित करने का फैसला लिया। पीसीबी ने बताया कि जल्द ही नई तारीखों का एलान किया जाएगा।

# पसमांदा मुस्लिम समाज के अध्यक्ष अनीस मंसूरी ने सम्भल हिंसा पर उठाए गंभीर सवाल

लखनऊ।

सम्भल हिंसा को लेकर पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री माननीय अनीस मंसूरी ने कई गंभीर सवाल उठाते हुए प्रशासन और भाजपा सरकार पर तीखे आरोप लगाए हैं। अनीस मंसूरी ने प्रशासन के कामकाज पर सवाल उठाते हुए कहा कि 19 नवंबर को शाम 4 बजे सर्वे का आदेश दिया गया, जो महज 2.5 घंटे बाद शाम 6.30 बजे शुरू हुआ और कुछ घंटों में ही पूरा कर लिया गया। इसके बावजूद, 24 नवंबर को डीएम द्वारा दोबारा सर्वे का आदेश किसके कहने पर और किस आधार पर दिया गया? प्रशासनिक प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए अनीस मंसूरी ने कहा कि सर्वे का कार्य सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक ही कानूनन हो सकता है। ऐसे में 19 नवंबर को शाम 6.30 बजे सर्वे क्यों किया गया? 24 नवंबर को सुबह 7 बजे सर्वे शुरू होने का आदेश किस नियम के तहत दिया गया? उन्होंने प्रशासन पर बिना सभी पक्षों को सुने एकतरफा आदेश पारित करने का आरोप लगाया।भाजपा सरकार पर तीखे हमले बोलते हुए कहाअनीस मंसूरी ने भाजपा सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह सरकार नौजवानों को रोजगार देने के बजाय दंगे दे रही है, किसानों को उनकी फसलों का सही दाम देने के बजाय फसाद करा रही है, महिलाओं को महंगाई से राहत देने के बजाय उनकी जिंदगी को बर्बाद कर रही है। उन्होंने भाजपा पर बच्चों की शिक्षा में सुधार करने के बजाय बवाल फैलाने का आरोप लगाया।अनीस मंसूरी ने इस हिंसा में पसमांदा मुस्लिम समुदाय के तीन लोगों के मारे जाने की जानकारी दी। उन्होंने इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि यह घटना सरकार की असफलता को उजागर करती है। मंसूरी ने यह भी सवाल उठाया कि हिंसा की जांच में निष्पक्षता सुनिश्चित किए बिना प्रशासन कैसे निर्णय ले सकता है?

अनीस मंसूरी ने सभी पक्षों से संयम बरतने और शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रशासन और सरकार को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए सभी प्रभावित पक्षों को न्याय दिलाने के लिए निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। मंसूरी ने कहा कि यह घटना प्रशासनिक कार्यशैली पर सवाल खड़ा करती है, बल्कि भाजपा सरकार की नीतियों पर भी गंभीर आरोप लगाती है। सम्भल की हिंसा में मारे गए निर्दोष लोगों के लिए न्याय की मांग और पसमांदा मुस्लिम समुदाय के लिए उनके अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्रमुख मांग है।

## सी.एम.एस. छात्रों ने 3 गोल्ड मेडल समेत 8 पदक जीते

लखनऊ, 26 नवम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, चौक कैम्पस के मेधावी छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित अन्तर–विद्यालयी ब्रेनोब्रेन वन्डरकिड प्रतियोगिता में 3 गोल्ड मेडल समेत 8 पदक अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता शैक्षिक संस्था ब्रेनोब्रेन किड्स एकेडमी के तत्वावधान में आयोजित हुई, जिसमें गोल्ड मेडल अर्जित करने वाले सी.एम.एस. चौक कैम्पस के मेधावी छात्रों में शौर्य वीर शुक्ला, अग्रिम श्रीवास्तव एवं इंशा खान शामिल हैं। इसके अलावा, 5 छात्रों जैनब जैदी, अंजली धमीजा, अरहान अहमद, अथर्व तिवारी एवं इकरा हसीब ने सिल्वर मेडल अर्जित कर अपने ज्ञान–विज्ञान का परचम लहराया है। इस प्रतियोगिता में देश भर के अनेक प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग किया जिसमें सी.एम.एस. चौक कैम्पस के इन प्रतिभाशाली छात्रों ने मेन्टल मैथ्स, लॉजिकल एबिलिटी, जनरल नॉलेज एवं स्पीड टाइपिंग में अपनी दक्षता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के आयोजकों ने इन प्रतिभाशाली छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए मेडल व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सी.एम.एस. प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इन सभी मेधावी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए विद्यालय के शिक्षकों व प्रधानाचार्या का आभार व्यक्त किया है।यह प्रतियागिता छात्रों को बौद्धिक क्षमता पर ध्यान केन्द्रित करने तथा त्वरित गति से समाधान ढूढ़ने एवं सीखने की क्षमता का विकास करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। सी.एम.एस. अपने छात्रों को देश–विदेश में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग हेतु लगातार प्रोत्साहित करता रहता है।

## निगम के समाधान दिवस में पहुंची 14 शिकायते

(मथुरा)(ए.के.शर्मा)।

मंगलवार को लगने वाले संभव संतुष्टि एवं समृद्धि के अंतर्गत जन शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए निर्देशित किया गया। अपर नगर आयुक्त रामजी लाल एवं अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार द्वारा मथुरा स्थित नगर निगम सभागार में जनसुनवाई की गयी। जनसुनवाई में अपर नगर आयुक्त द्वारा सभी शिकायत कर्ताओं की शिकायत का संज्ञान लेकर मौके पर उपस्थित सम्बन्धित अधिकारी को कार्यवाही किये जाने के लिए निर्देशित किया गया। जनसुनवाई के दौरान नगर निगम मथुरा वृन्दावन में कुल 14 शिकायत प्राप्त हुई जिसमें नौ शिकायतों का निस्तारण टीम को भेजकर तत्काल करा दिया गया शेष लंबित पांच शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित को निर्देशित किया गया।अपर नगर आयुक्त द्वारा उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्राप्त हुयी शिकायत का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत कराया जाये। जनसुनवाई में राकेश कुमार त्यागी सहायक नगर आयुक्त, कल्पना सिंह चौहान सहायक नगर आयुक्त, मोहम्मद अनवर ख्वाजा महाप्रबंधक जल, नगर स्वास्थ्य अधिकारी गोपाल गर्ग, अमरेंद्र गौतम अधिशासी अभियंता सिविल एवं मुख्य कर निर्धारण अधिकारी नरेंद्र यादव आदि अधिकारीगण उपस्थित रहे।

## पेड़ से टकराकर बाइक सवार की मौत

पड़री। नकटी मिश्रौली गांव में रविवार को देर शाम बाइक पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। परिजन घायलों को अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने एक को मृत घोषित कर दिया।

नकटी मिश्रौली निवासी लालचंद्र (55) गांव निवासी साथी लल्लन पाल (55) के साथ बाइक से किसी काम से रविवार को शाम को गौरा गोपालपुर गांव गए थे। देर शाम दोनों लोग बाइक से घर लौट रहे थे। बाइक लल्लन चला रहे थे। लालचंद्र पीछे बैठे थे। रास्ते में गांव के पास नहर पर बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में लालचंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल लेकर गए। जहां डॉक्टरों ने लालचंद्र को मृत घोषित कर दिया। लालचंद्र खेती–मजदूरी करते थे। दरी और कालीन बुनाई का काम भी करते थे। उनसे दो पुत्र और तीन पुत्रियां हैं। पुत्र लखंदर ने बताया कि बाइक पेड़ से टकराने पिता की मौत हो गई। थानाध्यक्ष दयाशंकर ओझा ने बताया कि हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

## भारी वाहन से कुचलकर बाइक सवार की मौत

चुनार। चुनार–मिर्जापुर मार्ग पर समसपुर गांव के सामने सोमवार की शाम किसी भारी वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। रैपुरिया गांव निवासी स्नेह कुमार (32) पुत्र ओमप्रकाश सिंह टावर लगाने के लिए सर्वे करने मिर्जापुर गए थे। वहां काम करने के बाद वे बाइक से घर लौट रहे थे। रास्ते में शाम करीब चार बजे समसपुर गांव के सामने किसी भारी की चपेट में आ गए। इस हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पास मिले पहचान पत्र के आधार पर पुलिस ने घर वालों को सूचना दी। स्नेह कुमार तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर थे वह किसी मोबाइल टावर कंपनी में सर्वे का काम करते थे। चुनार कोतवाल रविंद्र भूषण मौर्य ने बताया कि हादसे में युवक की मौत होने पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

## लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट द्वारा ”संविधान दिवस“ कार्यक्रम का आयोजन

लखनऊ।

साहिबाबाद । लोक शिक्षण अभियान ट्रस्ट द्वारा ज्ञानपीठ केन्द्र 1, स्वरुप पार्क जी0 टी0 रोड साहिबाबाद के प्रांगण में ”संविधान दिवस“ कार्यक्रम का आयोजन किया गया, यह कार्यक्रम संस्था के संस्थापकध्अध्यक्ष राम दुलार यादव शिक्षाविद के नेतृत्व में आयोजित किया गया, अध्यक्षता एच0 एल0 विद्यार्थी ने किया, मुख्य अतिथि भंते बुद्ध प्रकाश भी कार्यक्रम में शामिल रहे, सञ्चालन श्रमिक नेता अनिल मिश्र ने किया, हुकुम सिंह, राजेन्द्र सिंह, विनोद त्रिपाठी ने देश प्रेम के गीत और भजन प्रस्तुत कर सभी को आत्मविभोर कर दिया, जोरदार नारों के साथ आकाश गूंज उठा, कार्यक्रम को राम प्यारे यादव, चन्द्रबली मौर्य, श्याम नारायण, अर्जुन सिंह यादव ने भी संबोधित कियाद्य संविधान की प्रस्तावना वितरित की गयी।

संविधान दिवस के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षाविद राम दुलार यादव ने कहा कि 26 नवम्बर 1949 को बाबा साहेब भीमराव अम्बेदकर द्वारा निर्मित संविधान अंगीकार किया गयाद्य बाबा साहेब ने विश्व के सभी संविधानों का अध्ययन कर संविधान की रचना की, जिससे समाज का अंतिम व्यक्ति भी गौरवान्वित हो सके और गरिमापूर्ण जीवन जी सके, तथा उसे यह महसूस हो कि देश के विकास में हमारा भी महत्वपूर्ण योगदान है, डा0 अम्बेडकर ने कहा कि भारत का संविधान सभी प्रकार से देश, समाज और व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में योगदान देने के लिए परिपूर्ण है, लेकिन यदि यह अहंकारी और खराब लोगों के हाथ में पड़ जायेगा तो यह महज एक किताब ही रह जायेगाद्य उन्होंने यह भी कहा कि सामाजिक, आर्थिक आजादी के बिना राजनैतिक आजादी अधूरी हैद्य अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समता, समानता, न्याय और बंधुता राष्ट्र की एकता, अखंडता के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना है, लेकिन अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि आजादी के 77 वर्ष होने के बाद भी आज संवैधानिक संस्थाएं निष्पक्षता पूर्वक कार्य नहीं कर रही है, लगातार लोकतंत्र और संविधान को कमजोर करने में अधिनायक वादी, अलोकतांत्रिक ताकतें लगी हुई है, जनमत को धनबल, बाहुबल से कुचला जा रहा हैद्य ”झूठ, लूट, अनैतिक आचरण“ संविधान को लहूलुहान कर रहा है, धर्मनिरपेक्षता, समाजवादी समाज बनाने की अवधारणा पर चोट की जा रही है, मन में मनुस्मृति मैदान में संविधान को चरितार्थ किया जा रहा है, यह देश और संविधान के लिए शुभ संकेत नहीं है, देश को संचालित करने वालों को स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों की कुर्बानियों को स्मरण करते हुए आचरण करना चाहिए, तभी बाबा साहेब डा0 अम्बेडकर का सपना साकार होगा, क्योंकि धार्मिक कट्टरता से देश में सुख, शान्ति और समृद्धि नहीं हो सकतीद्य बहुसंख्यक आबादी को बरगलाकर घोर पूंजीवादी व्यवस्था लागू की जा रही है, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, मंहगाई, गरीबी बढ़ रही है, यह नैतिक आचरण से ही कम की जा सकती है।

मुख्य वक्ता कैलाश चन्द ने सभी ज्ञानपीठ में उपस्थित विद्वानों और सदस्यों को संविधान दिवस की बधाई दी और विस्तार से व्याख्या की, उन्होंने कहा संविधान में अर्थव्यस्था पर काम करने के लिए प्रेरित किया गया है, अनुच्छेद 15 को सबसे महत्वपूर्ण बताया जो समता की व्यवस्था करता हैद्य अनुच्छेद 32 नागरिकों को मौलिक अधिकार की व्यवस्था कर सम्मानजनक जीवन जीने के साथ–साथ संवैधानिक उपचारों का अधिकार भी देता है।

बुद्ध प्रकाश भंते जी ने जादू–टोना को झूठ बता अन्धविश्वास पर करारी चोट की, और कहा कि विज्ञान ही भगवान है, उन्हें क्रियान्वित कर सभी को बताया कि चमत्कार, झूठ और पाखंड है, स्वर्ग–नर्क, रुढ़िवाद, झूठ है, इससे बचकर रहे, और सभी को शिक्षित करें।

प्रमुख रूप से राम दुलार यादव, भंते बुद्ध प्रकाश, एच0 एल0 विद्यार्थी, राजेन्द्र सिंह, ब्रह्म प्रकाश, विजय मिश्र, सी0 पी0 सिंह, कैलाश चन्द, अर्जुन सिंह, परमानन्द, ए0 एस0 यादव, हीरा लाल, पुष्पेन्द्र सिंह, देवमन यादव, शेर बहादुर, राम प्यारे यादव, सी0 बी0 मौर्य, श्याम नारायण, सहदेव गिरी, महेन्द्र यादव, राजपाल, अर्जुन प्रसाद, राज नाथ यादव, सम्राट सिंह, अनिल मिश्र, विनोद त्रिपाठी, बैजनाथ, नागेन्द्र मौर्य, देवकर्ण चौहान, राम सेवक, बाल करन, फूलचंद वर्मा, सी0 पी0 मिश्र, ओम प्रकाश अरोड़ा, हुकुम सिंह, प्रभा शंकर मिश्र, खेमचंद, के0 के0 दीक्षित, नवल मौर्य, विजय भाटी एडवोकेट, अंकुर यादव एडवोकेट, विश्वनाथ यादव, फौजुद्दीन आदि सैकड़ों लोगों ने संविधान दिवस कार्यक्रम में शामिल रहे।

## 24 दिसंबर तक पूरे करें ठोस तरल अपशिष्टप्रबंधन के कार्य –मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना

(मथुरा)(ए.के.शर्मा)जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वच्छता समिति एवं जनपद की चयनित परफॉर्मेंस ग्रांट की ग्राम पंचायत की समीक्षा की गई। जिसमें व्यक्तिगत शौचालय निर्माण हेतु लाभार्थियों को प्रथम द्वितीय किस्त दिए जाने की प्रगति, ऑनलाइन आवेदन पत्रों के सत्यापन की स्थिति, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना अंतर्गत धनराशि का विवरण, सामुदायिक शौचालय पर तैनात केयर टेकर मानदेय भुगतान की स्थिति, वित्तीय वर्ष 2022– 23 एवं 2023 –24 तथा 2024– 25 में चयनित ग्रामों को मॉडल ओ डी एफ प्लस घोषित एवं जनपद स्तर पर सत्यापन किए जाने की समीक्षा की गई,इसी के साथ वित्तीय प्रगति, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेस –2 अंतर्गत धनराशि की उपलब्धता, योजना अंतर्गत कार्यों की भूमि विवाद ग्राम पंचायत की समीक्षा, सीएससी संचालन की समीक्षा तथा विश्व शौचालय दिवस 2024 के आयोजन के संबंध में भी विस्तृत बैठक आयोजित की गई। समीक्षा बैठक में निर्देश दिए गए कि परफॉर्मेंस ग्रांट में प्रस्तावित सभी कार्य माह दिसंबर की समाप्ति तक शत प्रतिशत पूर्ण होना चाहिए।

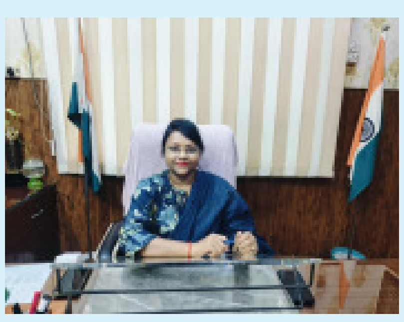

इस संबंध में जिला पंचायत राज अधिकारी किरण चौधरी ने बताया कि यदि समिति द्वारा निर्धारित समय अवधि में ग्रांट के कार्य पूर्ण नहीं होते हैं तो टेंडर निरस्त कर, नवीन टेंडर प्रस्तावित किया जाएगा और संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध कठोर कार्यवाही भी अमल में लाई जाएगी। वहीं मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना ने कहा कि परफॉर्मेंस ग्रांट में विभिन्न विभागों के उपयोग हेतु जो भी कार्य पूर्ण हो चुके हैं उनका संचालन हेतु संबंधित विभाग को उत्तरदाई बनाया जाए।साथ ही निर्देशित किया कि योजना अंतर्गत समस्त कार्यों को समय से निर्मित करते हुए संचालन करना भी सुनिश्चित करें।सभी ग्राम पंचायत में ई–रिक्शा द्वारा डोर टू डोर कूड़ा संग्रहण का काम नियमित रूप से होना चाहिए ।प्रत्येक आरआरसी और वर्मी कंपोस्ट पिट का भी नियमित संचालन हो, एडीओ पंचायत द्वारा इनका औचक निरीक्षण किया जाए , यदि संचालन होता हुआ नहीं पाया जाएगा संबंधित सचिव, प्रधान के विरुद्ध कार्यवाही भी होगी। बैठक में परियोजना निदेशक अरुण कुमार उपाध्याय ,अधिशासी अभियंता जल निगम दिनेश कुमार , जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ,जिला कार्यक्रम अधिकारी बुद्धि मिश्रा एवं परफॉर्मेंस ग्रांट की ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान और सचिव उपस्थित रहे।

## 20 से ज्यादा जिलों में घने कोहरे की चेतावनी

लखनऊ संवाददाता। प्रदेश में बुधवार से मौसम दोबारा करवट लेगा। तराई इलाकों में कोहरे का घनापन बढ़ने के साथ ही पश्चिमी यूपी समेत अन्य इलाकों में भी कोहरे का असर दिखेगा । मौसम विभाग ने बुधवार के लिए 20 से ज्यादा इलाकों में घने कोहरे की चेतावनी जारी किया है। मंगलवार को प्रदेश के अधिकांश इलाकों में दिन में पछुआ हवाएं चलीं और धूप खिली रही। शाम को हवा में ठिठुरन महसूस हुई।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि बुधवार से प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में धीरे–धीरे दिने के तापमान में हल्की गिरावट आएगी। वहीं अगले कुछ दिनों में रात के पारे में भी क्रमशरू 2 से 3 डिग्री की गिरावट देखने को मिलेगी।

मंगलवार को उरई में सर्वाधिक 30 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। वहीं वाराणसी में अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री और प्रयागराज में 29 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। न्यूनतम तापमान की बात करें तो बुलंदशहर में 10 डिग्री, मुरादाबाद में 10.4 डिग्री और नजीबाबाद में 10.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

मौसम विभाग ने बुधवार को प्रदेश के तराई इलाकों कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, श्रावस्ती, बहराइच, बलरामपुर समेत देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, , गोंडा, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर व आसपास इलाकों में घने कोहरे की चेतावनी जारी किया है।

## बरातियों को लेकर जा रही बोलेरो पलटने से चार घायल

जिगना।

मिर्जापुर–प्रयागराज मार्ग पर रविवार की रात बरातियों को लेकर जा रही बोलेरो डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इस हादसे में चार लोग घायल हो गए।

रविवार की रात करीब 10 बजे प्रयागराज के मांडा थाना क्षेत्र के छह लोग बोलेरो में सवार होकर बरात में शामिल होने मिर्जापुर जा रहे थे। बोलेरो जिगना ओवरब्रिज के पास अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इस हादसे में बोलेरो में सवार सवार दिनेश सिंह (45), विपुल (22) निवासी घूघा, राम बहादुर (57), टीके शुक्ल (44) निवासी देवबरा प्रयागराज घायल हो गए। मौके पर पहुंची जिगना पुलिस घायलों को पीएचसी विजयपुर सरोंई ले गई। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया। थानाध्यक्ष शैलेश कुमार राय ने बताया कि बरातियों को लेकर जा रही बोलेरो डिवाइडर से टकराकर पलट गई थी। इस हादसे में चार लोग घायल हो गए थे। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया था।

## पूर्व सेल्स मैनेजर ने सहकर्मी से किया दुष्कर्म

लखनऊ संवाददाता।

बैंक के पूर्व सेल्स मैनेजर ने प्यार का झांसा देकर सहकर्मी से दुष्कर्म किया। आरोपी पर पीड़िता को पीटने का भी आरोप है। रविवार को गोमतीनगर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

गोमतीनगर निवासी युवती के मुताबिक वह दो साल से निजी बैंक में फाइनेंस विभाग में काम कर रही हैं। इस दौरान उनकी दोस्ती बैंक के पूर्व सेल्स मैनेजर चौक निवासी लारिब जैदी से हुई थी। दोनों मोबाइल पर बात करने लगे और घर आना–जाना शुरू हो गया। आरोपी ने प्यार का झांसा देकर उन्हें फंसा लिया और दुष्कर्म किया। जब उन्होंने दूरी बनाई तो आरोपी चिढ़ गया। कभी मिलने के बहाने बुलाकर तो कभी घर पर आकर उनकी पिटाई कर शादी का दबाव बनाने लगा। विरोध पर परिवार की हत्या करने की धमकी दी और साथ दुबई चलने का दबाव बनाया। डरी–सहमी पीड़िता सबकुछ सहती रही।

शनिवार सुबह पीड़िता अपने घर पर थीं। करीब साढ़े दस बजे लारिब आ धमका और गाली–गलौज करने लगा। विरोध पर उन्हें पीटना शुरू कर दिया। उनके चीखने–चिल्लाने पर वह भाग निकला। पिटाई से चेहरे व कंधे पर काफी चोटें आईं। पीड़िता ने घटना की जानकारी परिजनों को दी और थाने पहुंचकर शिकायत की। इंस्पेक्टर गोमतीनगर राजेश त्रिपाठी के मुताबिक आरोपी लारिब किसी मामले में पहले ही बैंक से निकाला जा चुका है। केस दर्ज कर उसे जेल भेजा गया है।

## जिद से हासिल किया मुकाम

लखनऊ संवाददाता।

राजधानी लखनऊ के बंगलाबाजार में एक छोटा सा सैलून चलाने वाले रामकुमार शर्मा की खुशी का कोई ठिकाना नहीं है। उनकी बेटी चांदनी भारत की अंडर–19 ए टीम के लिए चयनित हुई है। इस खुशी का इजहार करते हुए रामकुमार की आंखों में कुछ घटनाएं बिजली सी कौंध जाती हैं। वह मुस्कुराते हुए कहते हैं, एक दिन वो था जब मैंने बेटी को क्रिकेट खेलने से मना किया था। चांदनी को शुरू से क्रिकेट पसंद था।

हाईस्कूल का आखिरी पेपर देने के बाद तो वह क्रिकेट में दाखिला दिलाने के लिए लड़ गई थी। खाना खाने से इन्कार कर दिया था। हमारे आश्वासन के बाद उसने खाना खाया। अगले दिन नॉर्दर्न रेलवे स्टेडियम में ट्रेनिंग शुरू कर दी।

अमर उजाला से खास बातचीत में चांदनी ने कहा कि मुझे आज भी याद है जब पापा मेरे क्रिकेट खेलने के खिलाफ थे, तब बड़े भाई ने पापा से बात करके मुझे खेलने की परमिशन दिलाई। शुरुआत गली क्रिकेट में लड़कों के साथ खेलकर की। बाद में मेरा चयन नॉर्दर्न रेलवे स्टेडियम में हो गया। यहां प्रियंका शैली मैम के निर्देशन में खेलना शुरू किया। यजुवेंद्र चहल को अपना पसंदीदा खिलाड़ी बातते हुए चांदनी कहती हैं कि चहल की बात ही निराली है।

# लापता छात्रा के भाई के मोबाइल पर वीडियो भेजकर मांगे दस लाख

सोनभद्र संवाददाता।
छह दिन पहले दसवीं की छात्रा के लापता होने के मामले में नया मोड़ आ गया है। छात्रा को भगा ले जाने के आरोपी की गिरफ्तारी के बाद अब उसके घरवालों को एक वीडियो मिला है। इसमें छात्रा की रिहाई के बदले दस लाख रुपये की मांग की गई है। भाई के मोबाइल पर भेजे गए वीडियो में छात्रा के हाथ–पैर बंधे हुए हैं। वह रोते हुए घर वालों से खुद को छुड़ाने की गुहार लगा रही है। इस वीडियो के बाद परिवार सकते में है। पुलिस अब नए सिरे से मामले की जांच में जुट गई है।

म्योरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी दसवीं की छात्रा गत 19 नवंबर को अपनी सहेली के घर जाने की बात कह निकली थी। इसके बाद से उसका पता नहीं चला। काफी तलाश के बाद भी कुछ पता ना चलने प्रणाम घरवालों ने विंढमगंज के महुली गांव निवासी दो युवकों पर छात्रा को भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था। मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके बाद सोमवार को छात्रा के भाई के मोबाइल पर एक वीडियो आया।

इसमें छात्रा रोते हुए खुद को बचाने की गुहार लगा रही है। वीडियो के जरिए 26 नवंबर तक घरवालों से दस लाख रुपये देने और पुलिस को ना बताने की बात कही गई है। उधर, परिजनों से जानकारी मिलते ही पुलिस घटना की छानबीन में जुट गई है। म्योरपुर एसओ हेमंत सिंह ने बताया कि नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया जा चुका है। वीडियो सहित मामले की विभिन्न पहलुओं पर जांच की जा रही है।

# खाकी पर आरोप लगाते हुए महिला धरने पर बैठी

मिर्जापुर संवाददाता।
मिर्जापुर जिला मुख्यालय पर सोमवार को पुनः धरने पर बैठी कथित महिला पत्रकार ने फांसी लगाने की चेतावनी दी। कहा कि पुलिस उनका उत्पीड़न कर रही है और उनको गांजा के मामले में फंसाने की धमकी दे रही है। कथित महिला पत्रकार सरिता सिंह पटेल के का आरोप है कि 20 नवंबर को मतदान के समय जब वह कवरेज करने गई तो पुलिस ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया, मारपीट की और थाने में उठा लाई। उसको पीटा जिससे वह अचेत हो गई। उसने छेड़खानी का भी आरोप लगाया।

कहा कि जब उसे होश आया तो वह अपने घर चली गई और दूसरे दिन जिला मुख्यालय पर धरने पर बैठी। उसको कार्रवाई का आश्वासन दिया गया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद वह पुन अपने घर चली गई तो रविवार को एक महिला पुलिस उसके घर आई और उसको कहा कि जरा बाहर आ कर बात कर लो । जब वह बाहर आई तो पुलिस ने उसको एक बोरी के साथ खड़ा किया और फोटो खिंचवाया। आरोप लगाया कि उसने कट्टा दिखा कर कुछ कागजों पर दस्तखत भी कराया।

इतना देखकर वह चिल्लाने लगी तो पुलिस ने कहा कि तुमको गांजा में फंसा देंगे। लेकिन जब वह चिल्लाने लगी तो वहां से महिला पुलिस भाग गई। भागते समय उसकी टोपी और स्कार्फ वहीं रह गया। जो उसके पास है। उसने चेतावनी दी कि यदि उसके मांग पर कार्रवाई नहीं की गई तो वह फांसी भी लगा सकती है। कछवा के थानाध्यक्ष अंजनी राय ने कहा कि वह इसको जानते ही नहीं और ऐसा कोई मामला ही नहीं हुआ की पुलिस ने मारा हो।

# 531 ग्राम स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

सहारनपुर संवाददाता।
नानौता थाना पुलिस व एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने बरेली से तस्करी कर लाई गई 531 ग्राम स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार किए है। पुलिस का दावा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्मैक की कीमत करीब 1.06 करोड़ रुपये है। तस्करों से पास से दो मोबाइल व एक बाइक बरामद हुई है। पकड़े गए तस्करों के तीसरे साथी की तलाश की जा रही है।

नानौता थाना पुलिस व एएनटीएफ टीम सहारनपुर ने सोमवार को गंगोह रोड स्थित हिमामपुर नहर पुल के पास बाइक सवार दो युवकों को रोकने का प्रयास किया। इस पर युवक पुलिस को चकमा भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने घेराबंदी करते हुए दोनों युवकों को पकड़ लिया। पकड़े गए दोनों युवकों की तलाशी लेने पर उनके पास से 531 ग्राम स्मैक बरामद हुई। स्मैक तस्कर नौशाद पुत्र इरशाद तथा सारिक पुत्र इदरीश निवासी गांव घाटमपुर थाना नकुड़ के रहने वाले है।

पुलिस ने बताया कि बरामद स्मैक की देश में कीमत करीब 25 लाख रुपये तो वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब एक करोड़ छह लाख रुपये है। पुलिस को तस्करों के पास से दो मोबाइल व एक बाइक सहित कुछ नकदी भी बरामद हुई। पूछताछ के दौरान स्मैक तस्करों ने बताया कि वह अपने एक अन्य साथी के कहने पर बरेली स्मैक लाकर उसको देते हैं, जिसके बदले वह उन्हें अच्छी खासी रकम देता है। इससे वह अपने खाने पीने का शौक पूरा करते हैं। दोनों तस्करों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

जिले में स्मैक की तस्करी के मामले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। नानौता में स्मैक पकड़ने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी थाना मंडी, कुतुबशेर आदि क्षेत्रों में स्मैक पकड़ी जा चुकी है। अधिकांश मामलों में बरेली से ही स्मैक को लाना सामने आया है।

# चार हिस्सा में दो पक्षों जमकर हुआ पथराव

आगरा संवाददाता।
आगरा के फतेहपुर सीकरी थाना क्षेत्र में देर शाम ग्राम सीकरी चार हिस्सा में युवकों के विवाद में दो पक्षों में पथराव हुआ व लाठी डंडे चले। घटना में आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं।

पीड़ित पक्ष वाल्मीकि समाज के युवक ने बताया कि हमारे कुछ बच्चे शौच करने के लिए हिरन मीनार की समीप खेतों पर गए थे। दूसरे पक्ष के युवकों से विवाद व झगड़ा होने के बाद वह घर वापस आ गए। इसके बाद दूसरे पक्ष की ओर से अचानक मारपीट व हमला कर दिया गया।

देखते–देखते झगड़ा बढ़ गया और इसकी जद में दो पक्ष आमने–सामने आ गए। झगड़े में राजकुमार, ललित, कारण, मोना सहित कई के सिर व शरीर में गंभीर चोटें आई हैं। घटना की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र दहिया, पुलिस बल के घटनास्थल पर पहुंचे। घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा है। दूसरे पक्ष से अभी कोई थाने पर नहीं पहुंचा है।

# अब बदलेगी यमुना की तस्वीर, सुप्रीम कोर्ट ने दिए आदेश

आगरा संवाददाता।
यमुना नदी में प्रदूषण पहुंचाकर उसे जहरीला बना चुके 43 नालों को सुप्रीम कोर्ट ने टैप करने के निर्देश दिए हैं। पर्यावरणविद एमसी मेहता की याचिका पर हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने जल निगम को यमुना नदी में गिर रहे 38 छोटे और 5 बड़े नालों को यमुना में गिरने से रोकने के लिए कहा है। जस्टिस अभय ओका और एजी मसीह की बेंच के इस निर्देश के बाद नालों को टैप करने की 136 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी मिलने की उम्मीद है। चार माह से नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा (एनएमसीजी) में रुकी हुई है।

पोइया घाट, मनोहरपुर ड्रेन, बहादुर पुर गांव ड्रेन, जसवंत सिंह की छतरी, लोहिया नगर, राधा नगर, सेक्सरिया नाला, बेलनगंज पुलिस चौकी नाला, बेलनगंज काली माता मंदिर नाला, न्यू राधा नगर नाला, आंबेडकर पार्क नाला, खैराती टोला नाला, गोकुल नगर, गणेश नगर, रामबाग, कटरा वजीर खां, चीनी का रोजा, सूबेदार नगर, दयानंद आश्रम, कछपुरा, प्रकाश नगर, नर्सरी मंदिर नाले को डायवर्ट और टैप कर एसटीपी पर ले जाया जाएगा। इसके लिए 3.563 किमी लंबी सीवर लाइन मनोहरपुर तक बिछाई जाएगी, वहीं वाटरवर्क्स नाला टैप करने के लिए 1.857 किमी लंबी 300–700 एमएम व्यास की सीवर लाइन, भैरों नाला पर 687 मीटर, नरायच में 2.782 किमी, कछपुरा में 2.821 किमी और एत्माददौला में 3.875 किमी लंबी सीवर लाइन बिछाकर नालों को टैप किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इन नालों की टैपिंग के लिए बनी योजना में बल्केश्वर, भैरों नाला, वाटरवर्क्स, मनोहरपुर, नरायच, एत्माददौला और प्रकाश नगर तक 15.53 किमी लंबी राइजिंग मेन बिछाई जानी है। लगभग 21 किमी लंबी छोटी सीवर लाइन बिछेगी। 136 करोड़ रुपये की योजना में रजवाड़ा, नरायच, मनोहरपुर, एत्माददौला, भैरों नाला, वाटरवर्क्स और बल्केश्वर के पंपिंग स्टेशनों को भी अपग्रेड किया जाएगा।

पर्यावरणविद एमसी मेहता ने चार साल पहले 6–7 फरवरी 2020 को नेशनल एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिक डॉ. एसके गोयल के साथ आगरा आकर यमुना नदी के सैंपल भरवाए थे। उन्होंने आगरा के पर्यावरणविद डॉ. शरद गुप्ता के साथ मिलकर भैरों नाला और अन्य नालों के सैंपल लिए थे। उन दो दिनों में उन्होंने यमुना की कालिख को देखा था और ताज के पीछे दुर्गंध और सिल्ट को देखकर आपत्ति भी जताई थी।

नगर निगम क्षेत्र में अनटैप्ड नालों के जरिए हर दिन 216 एमएलडी सीवर यमुना में पहुंच रहा है। शहर से निकलने वाले सीवर का 61 फीसदी हिस्सा यमुना को प्रदूषित कर रहा है। इन नालों को टैप करने की जिम्मेदारी जल निगम की है। धांधूपुरा एसटीपी के बाद जल निगम ने इस तरफ कोई काम नहीं किया। अब नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत धांधूपुरा, पीलाखार, नगला बूढ़ी में एसटीपी बनाए जा रहे हैं। शहर के छोटे बड़े नालों को इन्हीं एसटीपी तक पंपिंग करके ले जाया जाएगा।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की ओर से दिए गए आदेश के बाद जल निगम पर जुर्माना भी लगाया है। जल निगम पर एसटीपी न चलने और यमुना में सीवर गिरने के मामले में 12 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया जा चुका है। पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति देने के लिए नोटिस भी जारी किया गया था।

# मंदिर परिसर में पुजारी की जलकर मौत

गोरखपुर संवाददाता।
गुलरिहा इलाके के बांसस्थान में स्थित बामंत माता मंदिर के पुजारी गूंगा दास (90) की रविवार रात मंदिर परिसर में संदिग्ध परिस्थितियों में जलकर मौत हो गई। सोमवार सुबह लोगों ने देखा तो सिर्फ सिर का कुछ हिस्सा ही शेष बचा था।
पुलिस को आशंका है कि अलाव की आग से जलकर उनकी मौत हुई होगी। उधर, गांव में हत्या कर जलाने की चर्चा है। बरामद कंकाल के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह स्पष्ट नहीं होने के कारण पुलिस अब डीएनए टेस्ट कराने की तैयारी में है।
बताया जा रहा है कि पुजारी सुन और बोल नहीं सकते थे। ऐसे में माना जा रहा है कि जिस वक्त वह जले होंगे, शोर नहीं मचा पाए होंगे। इससे किसी को कुछ पता नहीं चल सका। चर्चा है कि बांसस्थान के बामंत माता मंदिर को लेकर एक व्यक्ति और ग्रामीणों के बीच पहले से विवाद चला आ रहा है। ग्रामीणों ने इसी विवाद में हत्या कर जलाने की आशंका जाहिर की है। पुलिस का कहना है कि पुजारी ठंड से बचने के लिए आग जलाकर सो गए थे, जिसकी चिंगारी से जलकर उनकी मौत हो गई।
जानकारी के मुताबिक, पुजारी गूंगा दास जंगल डुमरी नंबर दो के पूर्व प्रधान दिवंगत गोपाल जायसवाल के चाचा थे। वह कई साल पहले ही परिवार से अलग होकर बामंत माता मंदिर चले गए थे। वह मंदिर पर ही रहते थे। ग्रामीणों के मुताबिक, उन्होंने अपनी संपत्ति भी परिवार के अन्य लोगों को वरासत कर दी थी।
ऐसे में ग्रामीणों का कहना है कि परिवार में तो किसी तरह का विवाद नहीं था। कुछ दिनों पहले मंदिर की एक जमीन को लेकर एक व्यक्ति और ग्रामीणों के बीच विवाद जरूर हुआ था। इसी बीच उनकी रहस्यमय हाल में मौत हो गई, जिससे तरह–तरह के सवाल उठने लगे हैं।
एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि पुजारी की मौत जलने से हुई है। मौके पर जाकर जांच की गई है। पता चला है कि रात में अलाव जलाए थे। इससे आग लगी और मौत हुई है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# धोखा देकर दूसरे से रचाई शादी

गोरखपुर संवाददाता। प्यार में धोखा देकर मुंबई से भागे युवक ने अपने गांव पहुंच कर दूसरी शादी कर ली। इस बात की खबर प्रेमिका को हुई तो वो सोमवार को गोरखपुर पहुंच गई। बांद्रा मुंबई से आई युवती ने एसएसपी से मिलकर सारा मामला बताया और प्रार्थना पत्र देकर मदद की गुहार लगाई है।
युवती ने एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि खजनी थाना क्षेत्र के एक गांव का युवक मुंबई रहकर एक प्राइवेट कंपनी में काम करता था। इसी दौरान उसकी मुलाकात युवक से हुई। आरोप है कि युवक ने झूठे प्रेम जाल में फंसाया और शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने बताया कि अक्तूबर 2024 में उसे पता चला कि युवक अपने परिजनों के साथ मिलकर दूसरी युवती से शादी करने वाला है। इसके बाद दो नवंबर को मुंबई से अपने गांव चला आया। युवती को पता चला कि युवक की 24 नवंबर को शादी है। उसने आरोपी से बात करने की कोशिश की जिसपर वह युवती को धमकी देने लगा और उससे शादी करने से इन्कार कर दिया। युवती का दावा है कि उसने इस मामले में मुंबई के समता नगर थाने में केस भी दर्ज करवाया है। इसके बाद पीड़िता ने आरोप लगाया कि युवक ने धमकी दी है कि गोरखपुर आकर शादी रोकने की कोशिश करोगी तो तुम्हारे टुकड़े करके वापस मुंबई भेज दूंगा।
साथ ही ये भी आरोप लगाया कि आरोपी लड़कियों को प्रेम जाल में फंसाता है और शादी का झूठा वचन देकर शारीरिक संबंध बनाता है। पीड़ित युवती ने एसएसपी से सुरक्षा की मांग करते हुए बताया कि यदि उसके साथ कोई भी अनहोनी हुई तो उसका जिम्मेदार आरोपी और उसका परिवार होगा। युवती ने बताया कि वर्ष 2022 में उसे नौकरी की तलाश थी जिस सिलसिले में युवक से उसकी मुलाकात हुई थी। युवक ने अपनी ही कंपनी में युवती की नौकरी लगवा दी। इसी बीच युवक उससे नजदीकियां बढ़ाने की कोशिश करने लगा। बताया कि युवक ने उससे अपने प्यार का इजहार भी किया था लेकिन तब युवती ने उसे मन कर दिया था। युवती का कहना है कि युवक लगातार उसका ख्याल रखता था जिसकी वजह से उन दोनों में प्रेम संबंध हो गया। इसी दौरान युवक ने उसकी अश्लील वीडियो और फोटो बना ली जिसे अब वायरल करने की धमकी दी जा रही है।

# चार इंजीनियरों पर केस, जांच में उजागर बड़ी लापरवाही

बरेली व बदायूं संवाददाता। बदायूं के समरेर को बरेली के फरीदपुर से जोड़ने वाले अधूरे पुल से रविवार तड़के कार समेत नीचे गिरे तीन युवकों की मौत के मामले में पीडब्ल्यूडी के दो सहायक व दो अवर अभियंताओं समेत कई अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। नामजद अभियंताओं का निलंबन तय माना जा रहा है। वहीं, गलत रास्ता दिखाने के लिए गूगल मैप के क्षेत्रीय प्रबंधक के खिलाफ भी शिकायत की गई है। हालांकि, पुलिस ने मुकदमे में गूगल या उसके किसी अधिकारी को नामजद नहीं किया है। विवेचना में कुछ नाम बढ़ाए जा सकते हैं। सोमवार को दातागंज के नायब तहसीलदार छविराम ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि पुल का पहुंच मार्ग पिछले साल सितंबर में बह गया था। बावजूद, पीडब्ल्यूडी ने मजबूत अवरोधक, बैरिकेडिंग व सांकेतिक बोर्ड नहीं लगवाया। एक पतली दीवार से बंद कर दिया, जिसे अज्ञात लोगों ने तोड़ भी दिया था। कोई अवरोधक न होने से गूगल भी रास्ते को सही दिखा रहा था। इस पर पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता मोहम्मद आरिफ व अभिषेक कुमार, अवर अभियंता अजय गंगवार, महाराज सिंह व कई अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

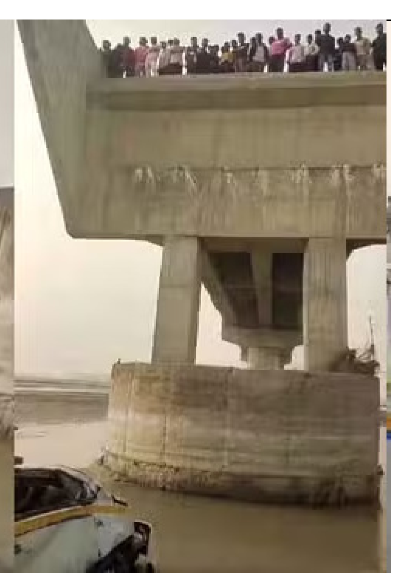

गुरुग्राम में सिक्योरिटी एजेंसी चलाने वाले आगरा के अमित सिंह (38) फर्रुखाबाद में रहने वाले अजीत कुमार (30) और उनके चचेरे भाई नितिन (30) के साथ रविवार को कार से बरेली फरीदपुर में एक शादी में जा रहे थे। वह गूगल मैप की मदद से आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान बदायूं की दातागंज तहसील में बने पुल पर चढ़ गए। पुल आगे अधूरा था। यहीं से कार 20 फुट नीचे जा गिरी थी। तीनों की मौत हो गई थी।
अधूरे पुल की वजह से हुए हादसे का संज्ञान शासन ने लिया है। प्रशासन की प्रारंभिक जांच में पीडब्ल्यूडी के अभियंताओं की लापरवाही उजागर होने के बाद रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। साथ ही, विभागीय जांच भी शुरू हो गई है। पीडब्ल्यूडी के प्रमुख अभियंता ने मामले की रिपोर्ट तलब की है।
मुख्य अभियंता अजय कुमार सोमवार सुबह घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने विभागीय मुख्यालय और शासन के अधिकारियों को हकीकत से अवगत कराया। अधीक्षण अभियंता को विभागीय जांच के आदेश दिए। अधीक्षण अभियंता केके सिंह ने स्थानीय लोगों के बयान लिए। विभागीय अभियंताओं का पक्ष भी सुना। हादसे रोकने के लिए पुल से पहले चार स्थानों पर अब कराई गई बैरिकेडिंग देखी।
अधीक्षण अभियंता ने यह जानने का प्रयास भी किया कि पुल पर आवागमन रोकने के लिए बनाई गई दीवार कब गिरी और किसने गिराई? दीवार गिरने के बाद तत्काल उसका संज्ञान नहीं लेने पर अभियंताओं से भी सवाल किया। पुल कब बना? कब से अधूरा है? उसे पूरा कराने के लिए अब तक क्या–क्या हुआ? आदि बिंदुओं पर उन्होंने छानबीन की। वह मंगलवार को अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। इसके बाद शासन की ओर से अगली कार्रवाई की जाएगी।

# दुल्हन के तेवर देख छूटे बरातियों के पसीने, शादी छोड़ लगानी पड़ी दौड़

फिरोजाबाद संवाददाता।
फिरोजाबाद के टूंडला में लड़की पक्ष ने किसी बात को लेकर हुए विवाद के बाद बरातियों को दौड़ा–दौड़ा कर पीटा। इतना ही नहीं बरातियों की कार को तोड़ दिया। बरातियों ने लड़की पक्ष के विरुद्ध थाने में तहरीर दी है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।
आगरा के थाना डौकी अंतर्गत गांव सुल्तानपुर से थाना पचोखरा व गांव पचोखरा में रविवार शाम बरात आई थी। बरात चढ़ने के उपरांत जयमाला कार्यक्रम के समय रात करीब 12 बजे करीब किसी बात को लेकर बरातियों व घरातियों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि समझाने का प्रयास कर रहा कन्या पक्ष भी भड़क गया। तब कन्या पक्ष के लोगों ने बरातियों को दौड़ा लिया तथा जमकर पीटा। इस बीच बरातियों ने ओमिनी कार में बैठकर भागने का प्रयास किया, लेकिन भाग न सके। गुस्साए कन्या पक्ष ने उनकी गाड़ी के शीशे तोड़ते हुए क्षतिग्रस्त कर दिया। मामले में जितेंद्र सिंह, प्रेम सिंह ने कन्या पक्ष के विरुद्ध थाने में तहरीर दी है। थानाध्यक्ष पारुल मिश्रा का कहना है कि सूचना पर दो बार पुलिस गांव गई थी, किंतु बाद में दोनों पक्षों में समझौता हो गया।

# बरेली में मनौना धाम जा रहे लोगों को गाड़ी से खींचकर पीटा

बरेली संवाददाता। बरेली के आंवला स्थित मनौना धाम दर्शन करने जा रहे लोगों की पिकअप गाड़ी को फाइनेंस कंपनी के कर्मचारियों ने रोक लिया।
वाहन की किस्त जमा न करने पर चालक और फाइनेंस कंपनी के कर्मचारियों में कहासुनी हो गई। कर्मचारियों ने चालक की पिटाई कर दी। इससे सड़क पर लोगों की भीड़ जुट गई। जाम लग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आधे घंटे बाद जाम खुलवा दिया। वाहन मालिक ने फाइनेंस कंपनी के लोगों के खिलाफ पुलिस से शिकायत दी है। घटना का लोगों ने वीडियो बना लिया, जो वायरल हो रहा है।

# बंद ट्रांसपोर्ट कंपनी में लग गई आग

आगरा संवाददाता। आगरा के यमुना किनारा मार्ग दरेसी नंबर तीन स्थित बंद ट्रांसपोर्ट कंपनी में सोमवार शाम को आग लग गई। इससे अफरातफरी मच गई। लपटें निकलता देखकर आसपास के दुकानदार दहशत में आ गए। सूचना पर पुलिस और दमकल पहुंची। करीब एक घंटे में आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने का कारण नहीं पता चला है।
थाना मंटोला के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सैंया निवासी देवेंद्र गुर्जर की ट्रांसपोर्ट कंपनी यमुना किनारा पर पुरानी बिल्डिंग में पहली मंजिल पर बनी हुई। भूतल पर पेठा और अन्य दुकान हैं। 5 साल से ट्रांसपोर्ट कंपनी बंद है। इसमें कबाड़ भरा हुआ था। सोमवार शाम तकरीबन 4 बजे आसपास के लोगों ने लपटें उठती देखीं। इस पर अफरातफरी मच गई।
लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। मंटोला पुलिस और एक दमकल पहुंची। कुछ ही देर में आग को काबू कर लिया गया।
आशंका है कि किसी ने जलती हुई सिगरेट या माचिस फेंकी होगी। इससे कबाड़ में आग लग गई। हालांकि अभी आग लगने का सही कारण पता नहीं चला है।

## संपादकीय

# सियासी सूझबूझ मस्त, अहंकार पस्त

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों के साथ–साथ लोकसभा की दो सीटों और विभिन्न दर्जनाधिक राज्यों की 48 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के परिणाम चौंकाने वाले हैं। ये चुनाव परिणाम इस बात का स्पष्ट इशारा कर रहे हैं कि मतदाताओं ने जहां सियासी सूझबूझ को ग्रेस देते हुए मस्त कर दिया है, वहीं राजनैतिक अहंकार को पूरी तरह से पस्त करके जमीन पर ला दिया है। मतलब यह कि पारस्परिक सिरफुटौव्वल को सिरे से खारिज कर दिया है।

दो टूक शब्दों में कहें तो मतदाताओं ने जहां महाराष्ट्र के भाजपा नेता व उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को सहयोगियों सहित और झारखंड के जेएमएम नेता व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को साथियों सहित अपनी–अपनी सियासत को नए सिरे से आगे बढ़ाने का मौका दिया है।

वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, एनसीपी शरद पवार के नेता शरद पवारध्सुप्रिया सुले, शिवसेना यूटीबी के नेता उद्धव भाऊ ठाकरे, समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव, राजद नेता तेजस्वी यादव आदि को जोर का झटका धीरे से दिया है, क्योंकि इनके बीच समुचित सामंजस्य के अभाव को मतदाताओं ने समय रहते ही भांप लिया और इनकी उम्मीदों के विपरीत परिणाम दिया।

हालांकि तृणमूल कांग्रेस नेत्री व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की लाज जनता ने बचा ली है। वहीं, पंजाब में आप–कांग्रेस की टक्कर एकबार फिर सामने आई है, जो आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी दिखाई देगी। वहीं, कांग्रेस नेत्री और वायनाड, केरल के लोकसभा उपचुनाव की प्रत्याशी प्रियंका गांधी को जीत देकर उनका राजनीतिक मार्ग प्रशस्त कर दिया है। जबकि महाराष्ट्र के नांदेड़ लोकसभा उपचुनाव में कांग्रेस की शिकस्त और बीजेपी को बढ़त मिली है।

खास बात यह है कि महाराष्ट्र के शिवसेना नेता और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा एनसीपी नेता व उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी अपने–अपने दल को तोड़ने के बावजूद अपनी–अपनी पार्टी की विरासत पर पूरी तरह से कब्जा जमा लिया है। उनके इस मिशन को पूरा करने में भाजपा नेता व उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के चमत्कारिक नेतृत्व के योगदान को नकारा नहीं जा सकता है। कुल मिलाकर एक ओर महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति (गठबंधन) को प्रचंड जीत मिली है, वहीं दूसरी ओर झारखंड में जेएमएम के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त करने में सफलता हासिल कर ली है। अब इनका मुख्यमंत्री कौन होगा और उनका मंत्रिमंडल कैसा होगा, इसको लेकर माथापच्ची शुरू हो चुकी है।

वहीं, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस, एनसीपी शरद पवार और शिवसेना यूटीबी के महाविकास अगाड़ी के अलावा यूपी विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी और बिहार विधानसभा उपचुनाव में राष्ट्रीय जनता दल के निराशाजनक प्रदर्शन से इनकी आंतरिक रस्साकशी का भी भंडाफोड़ हो चुका है। इससे इनके लोकसभा चुनावों के संयुक्त प्रदर्शन पर भी पानी फिर गया है। इससे सेक्यूलर मतदाताओं में भी गहरी निराशा छा गई है। हालांकि, झारखंड में कांग्रेस और राजद को मिली जीत से पार्टी के नेतृत्व को थोड़ी राहत मिली है।

वहीं, एनडीए की जोरदार सफलता से विकास, हिंदुत्व व राष्ट्रवाद की भावना एक बार फिर उफान पर है, क्योंकि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शबटेंगे तो कटेंगेश के नारे और पीएम नरेंद्र मोदी के श्एक रहेंगे तो सेफ रहेंगेश के नारों का असर महाराष्ट्र से लेकर यूपी–बिहार तक दिखाई पड़ा है। राजस्थान, मध्यप्रदेश से लेकर असम तक इसका असर पड़ा है। लेकिन झारखंड में यह नारा कैसे मिस्फायर कर गया, यह शोध का विषय है। वहीं, बंगलादेशियोंध्रोहिंग्या मुसलमानों का मुद्दा भी यहां फेल हो गया, क्योंकि इनलोगों ने गोलबंद होकर इंडिया गठबंधन को पोल कर दिया। वहीं, लाडली बहना योजना की सफलता ने महाराष्ट्र की महायुति सरकार को फिर से वहां लौटने का मौका दिया है। वहीं, केरल और कर्नाटक में कांग्रेस की सियासी इज्जत बच गई है।

बता दें कि लगभग एक दर्जन से अधिक राज्यों की 48 विधानसभा सीटों सहित लोकसभा की 2 सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे और इनके रुझानों से उपर्युक्त आशय के संकेत मिले हैं। इन 48 सीटों में से यूपी की 9 सीटों पर देशभर की निगाहें लगी हुई हैं, जहां बीजेपी नेता व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 7 सीट जीतकर एकबार फिर अपना जलवा दिखा दिया है, जबकि सपा को मात्र 2 सीटों पर संतोष करना पड़ा, जिससे उसके पीडीए का दम्भ चकनाचूर हो गया। उधर, बिहार में राजद विस उपचुनाव वाली चारों सीटों पर पिछड़ती चली गई, जिससे तेजस्वी यादव के नेतृत्व पर अब सवाल उठने लगा है।

इसके अलावा वायनाड सीट के रिजल्ट को लेकर भी काफी उत्सुकता है, जहां से प्रियंका गांधी वाड्रा ने जीत हासिल की है। साथ ही राजस्थान में 7, पश्चिम बंगाल में 6, असम में 5, पंजाब और बिहार में 4–4 सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे से जहां सत्ताधारी गठबंधन सब पर भारी पड़ता दिखाई दे रहा है। वहीं, कर्नाटक और केरल में 3–3 सीटों पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस गठबंधन की लाज बच गई है। इनके अलावा उत्तराखंड की केदारनाथ सीट पर नजरें टिकी हैं, जहां भाजपा प्रत्याशी ने जीत हासिल की है। इससे साफ है कि महाराष्ट्र–झारखंड में सियासी सूझबूझ मस्त साबित हुआ, जबकि अहंकार पस्त हो गया।

# विपक्ष का कमजोर होना क्या ठीक है लोकतंत्र के लिए?

यह सच है कि किसी भी लोकतंत्र में बहुमत पाने वाली पार्टी सत्ता पर काबिज होती है। लेकिन, यदि विजय एकतरफा हो तो वह जम्हूरियत के नजरिए से घातक भी होती है। अधिनायकवादी बीजों के अंकुरित होने का खतरा बना रहता है। महाराष्ट्र विधानसभा के लिए हुए निर्वाचन का परिणाम कुछ ऐसा ही सन्देश देता है। कोई सरकार कितना ही अच्छा काम करे (जो कि उसका कर्तव्य है) मतदाताओं को उसे नियंत्रित करना ही होगा।

किसी भी प्रजा तांत्रिक मुल्क में पक्ष और प्रतिपक्ष के बीच स्वाभाविक संतुलन होना चाहिए। यदि सदन में पक्ष का आकार विराट और ट्रैक्टर के पहिए जैसा हो और प्रतिपक्ष का आकार दुर्बल और साइकल के पहिए की तरह हो तो लोकतंत्र की गाड़ी रफ्तार नहीं पकड़ सकती। यह ठीक वैसा ही होगा कि एक मरियल और निर्बल इंसान रिंग में उतरकर किसी पहलवान को चुनौती दे। ऐसे में सत्ताधारी पार्टी के खुद को तानाशाह समझने का खतरा विकराल हो जाता है।

इसी बरस कांग्रेस की अगुआई वाले गठबंधन ने जब लोकसभा चुनाव में 234 सीटें जीती और दस साल से सरकार चला रही भारतीय जनता पार्टी को अपने बूते पर स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। इससे पहले 2019 के निर्वाचन में सत्तारूढ़ पार्टी अपने दम पर बहुमत लेकर आई थी तो उसका व्यवहार विपक्ष के साथ उपेक्षा भरा था। प्रतिपक्ष इतना दीन–हीन और बौना था कि सरकार के पूरे कार्यकाल में दर्प और घमंड वाली शैली पनपी थी। संसद में प्रतिपक्ष को भरोसे में नहीं लिया गया।

राष्ट्रीय महत्त्व के विषयों पर चर्चा नहीं हुई और हिन्दुस्तान के सामने मुंह बाए खड़े मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया गया। चाहे वह मंहगाई हो या बेरोजगारी ,भ्रष्टाचार हो या लोकतांत्रिक संवैधानिक संस्थाओं पर आक्रमण,सभी में प्रतिपक्ष का स्वर बेहद मद्धम था। यहां तक कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपनी मातृसंस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में ही बयान दे दिया कि पार्टी को उस संगठन की जरूरत नहीं है। यह सत्तारूढ़ दल का अहं भाव ही था।

भारत के मतदाता ने इसे ताड़ लिया था। इसी वजह से 2024 के लोकसभा चुनाव के परिणाम लोकतंत्र को संतुलित करते हुए आए थे। अब केंद्र सरकार बैसाखियों के सहारे है और प्रतिपक्ष मजबूत स्थिति में है तो भारतीय प्रजातंत्र संतोष कर सकता है। लेकिन महाराष्ट्र के हालिया परिणाम एक बार फिर यही अंदेशा उत्पन्न करते हैं। प्रतिपक्ष का कद विधानसभा में अत्यंत नाटा है और वह सत्ताधारी पार्टी को चुनौती देने की स्थिति में नहीं रहा है।

विडंबना यह कि बीजेपी के सहयोगी दल भी उसकी विराट जीत से आशंकित दिखाई देते हैं।सवाल यह भी खड़ा होता है कि 132 विधायक चुनकर विधानसभा में भेजने वाली पार्टी अपना मुख्यमंत्री क्यों न बनाए? क्या वह शिंदे को एक बार फिर स्वीकार करे ? जबकि शिंदे के पास बीजेपी के दावे को चुनौती देने वाला आंकड़ा नहीं है, हालांकि बिहार की तर्ज पर बीजेपी ऐसा कर सकती है ,पर यह भी हकीकत है कि शिंदे ,नीतीश कुमार नहीं हैं।

वैसे भी नीतीश कुमार अपनी कीकड़ बदन वाली पार्टी के साथ मुख्यमंत्री बने हुए हैं और बड़े आकार वाली बीजेपी वहां अपना मुख्यमंत्री नहीं बना सकी तो यह मान्य लोकतान्त्रिक सिद्धांतों का उल्लंघन है। यदि शिंदे को एक बार फिर मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो फिर वे बीजेपी से उपकृत भाव के साथ काम करेंगे और महाराष्ट्र के लिए यह बेहतर स्थिति नहीं होगी।

प्रत्येक सभ्य लोकतंत्र पक्ष और प्रतिपक्ष के एक सम्मानजनक आकार को पसंद करता है।कामयाबी शिखर को छूने वाली हो तो फिर ढलान में उतरने के अलावा कुछ नहीं होता। शिखर के ऊपर कोई दूसरा शिखर नहीं होता।

# आखिर क्यों दुनिया में सबसे खास है भारत का संविधान

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की शासन व्यवस्था को चलाने वाला संविधान अपने आकार और प्रकार में भी सबसे खास और विशाल है। यह लचीला भी है तो कठोर भी है। लचीलेपन का उदाहरण 1950 से लेकर अब तक इसमें 106 संशोधन होना है। जबकि इसकी कठोरता का उदाहरण यह कि इसमें समय के साथ संशोधन तो किए जा सकते हैं मगर इसकी सार्वभौम, धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी गणतंत्र की मूल भावना नहीं बदली जा सकती।

अब तक की सबसे बड़ी सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ 1973 में केशवानन्द भारती बनाम केरल सरकार के फैसले में स्पष्ट कर चुकी है कि भारत की संसद को संविधान संशोधन के व्यापक अधिकार तो हैं मगर असीमित नहीं हैं और वह भी संविधान की मूल भावना को नहीं बदल सकती। मतलब यह कि संसद सर्वोच्च कानून निर्मात्री होने के बावजूद संविधान के तहत ही है।

हमारे संविधान में विविधता और धर्मनिरपेक्षता का सम्मान किया गया है। मौलिक अधिकार, नीति निर्देशक सिद्धांत और सामाजिक न्याय के प्रावधान इसे अद्वितीय बनाते हैं। यह विभिन्न संविधानों से प्रेरणा लेकर भारत की आवश्यकताओं के अनुसार ढाला गया है। अपनी संशोधन क्षमता और सार्वभौमिक मताधिकार की दृष्टि से यह लोकतंत्र की मिसाल है

भारतीय संविधान को अपनी व्यापकता, समावेशिता और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के कारण विश्व में विशेष और अनोखा माना जाता है। भारतीय संविधान विश्व का सबसे लंबा लिखित संविधान है। प्रारंभ में इसमें 395 अनुच्छेद थे (अब 470 से अधिक), जिन्हें 25 भागों और 12 अनुसूचियों में विभाजित किया गया। यह शासन, नागरिक अधिकार, नीति निर्देशक सिद्धांत, संघीय ढांचे और प्रक्रियाओं को विस्तार से परिभाषित करता है, जिससे इसकी स्पष्टता और व्यापकता सुनिश्चित होती है।

हमारा संविधान जितना कठोर उतना ही लचीला भी। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 368 संविधान में संशोधन की प्रक्रिया को परिभाषित करता है। यह अनुच्छेद संसद को संविधान के विभिन्न प्रावधानों में संशोधन करने का अधिकार देता है, लेकिन कुछ शर्तों के साथ। इसका उद्देश्य संविधान को समय और परिस्थितियों के अनुसार लचीला और प्रासंगिक बनाए रखना है। पिछले 74 सालों में इसमें 106 संशोधन हो चुके हैं। जो समय के साथ बदले परिवेश में शासन की आवश्यकतानुसार ढल सकता है। लचीलापन इसे समय के साथ बदलती परिस्थितियों के अनुसार अनुकूल बनाता है। इसमें कुछ प्रावधान साधारण बहुमत से भी बदले जा सकते हैं तो कुछ काफी कठिन प्रक्रिया से गुजरते हैं। यह कठोरता इसे स्थिर और मजबूत बनाती है।

संविधान में संघीय ढांचे में राज्यों और केंद्र के बीच संतुलन बनाए रखा गया है। संविधान ने मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए अदालती समीक्षा की व्यवस्था दी है। इसमें आपातकालीन परिस्थितियों में केंद्र को अधिक शक्ति दी गई है। यह कठोरता और लचीलापन लोकतंत्र की रक्षा करता है। इस दृष्टिकोण से संविधान भारत की विविधता और बदलते समाज के लिए आदर्श बनता है।

हमारे संविधान निर्माताओं ने भारत की शासन व्यवस्था को विश्व में सर्वोत्तम बनाने के लिये विश्व की प्रमुख शासन व्यवस्थाओं को संचालित करने वाले बेहतर संविधानों के अच्छे–अच्छे गुण निकाल कर इसमें समाहित किये हैं। जैसे संसदीय प्रणाली ब्रिटेन से ली गई है तो मजबूत केंद्र के साथ संघीय ढांचा कनाडा से लिया गया है। मौलिक अधिकारों की सोच अमेरिका के बिल ऑफ राइट्स से तो नीति निर्देशक सिद्धांत आयरलैंड से लिए गए हैं। इन प्रभावों के बावजूद, इसे भारतीय सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता के अनुसार ढाला गया।

भारत विश्व का सबसे विविधतापूर्ण देश है, जिसमें भाषाई, सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक विविधता को समेटा गया है। भारतीय संविधान ने इस विविधता को संरक्षित करने और हर नागरिक को समानता का अधिकार देने के लिए कई प्रावधान किए हैं। संविधान के अनुसार, भारत में 22 मान्यता प्राप्त भाषाओं को 8वीं अनुसूची में स्थान दिया गया है। विभिन्न राज्यों को उनकी भाषाई और सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने का अधिकार दिया गया है। यह संघीय ढांचा सुनिश्चित करता है कि राज्यों को अपनी विशिष्टता का सम्मान करने की स्वतंत्रता मिले।संविधान ने भारत को एक "धर्मनिरपेक्ष" राज्य घोषित किया है।

संविधान में हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है (अनुच्छेद 25–28)। धर्म के आधार पर भेदभाव निषिद्ध है, और यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी व्यक्ति को अपने धर्म का पालन करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता हो।अल्पसंख्यकों के शैक्षिक और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा के लिए अनुच्छेद 29 और 30 का प्रावधान किया गया है। सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14–18) दिया गया है। जाति, धर्म, लिंग, भाषा या जन्मस्थान के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव की सख्त मनाही है। संविधान यह सुनिश्चित करता है कि राज्य और धर्म अलग–अलग रहें।

भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार नागरिकों के स्वतंत्रता, समानता और गरिमा की गारंटी प्रदान करते हैं। ये अधिकार संविधान के भाग 3 में अनुच्छेद 12 से 35 तक विस्तृत हैं और लोकतंत्र का मूल आधार हैं। इनमें समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14–18) जाति, धर्म, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव को समाप्त करता है। स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19–22) नागरिकों को अभिव्यक्ति, आंदोलन, पेशा चुनने और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का संरक्षण देता है। शोषण के खिलाफ अधिकार (अनुच्छेद 23–24) बंधुआ मजदूरी और बाल श्रम को प्रतिबंधित करता है।

धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25–28) सभी को अपने धर्म का पालन और प्रचार करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है। संस्कृति और शिक्षा के अधिकार (अनुच्छेद 29–30) अल्पसंख्यकों को अपनी सांस्कृतिक पहचान और शैक्षिक संस्थान स्थापित करने का अधिकार देते हैं। साथ ही संवैधानिक उपचार का अधिकार (अनुच्छेद 32) नागरिकों को उनके अधिकारों के हनन पर न्यायालय से सीधे अपील करने की अनुमति देता है।

# हार के बाद कांग्रेस नेताओं का वही पुराना राग– कब करेंगे विस्तार से सही विश्लेषण ?

महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद एक बार फिर से कांग्रेस नेताओं का वही पुराना राग शुरू हो गया है। कांग्रेस के नेता इस करारी हार या यूं कहें कि महाराष्ट्र के इतिहास में मिली सबसे शर्मनाक पराजय का ठीकरा भी ईवीएम पर ही फोड़ने में जुट गए हैं। क्या वाकई ऐसा ही हुआ है? क्या वाकई ईवीएम के सहारे इतनी बड़ी जीत हासिल कर सकते हैं? या फिर कांग्रेस नेताओं ने चुनावी हार का ऐसा मजबूत बहाना ढूंढ लिया है जो हर चुनावी हार के बाद वो दोहरा देते हैं ताकि पार्टी आलाकमान, उनसे सवाल न पूछे।

कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी दिक्कत तो यह पैदा हो गई है कि अपने जीवन में एक भी चुनाव नहीं लड़ने वाले या फिर नहीं जीतने वाले नेताओं के साथ–साथ ऐसे नेता भी जनादेश पर और ईवीएम पर सवाल उठाने में जुटे हुए हैं, जो कई चुनाव जीत चुके हैं और जनादेश के बल पर ही लंबे समय तक सत्ता में रहे हैं।

मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्य के 10 वर्षों तक मुख्यमंत्री रहे, राज्यसभा के वर्तमान सांसद एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह का 25 नवम्बर सोमवार को किया गया यह ट्वीट पढ़िए। दिग्विजय सिंह लिखते हैं, ष्महाराष्ट्र के चुनाव में वही हुआ जो भाजपा चाहती थी। उन्होंने 148 उम्मीदवार खड़े किए जिनमें से 132 जीत गये। स्ट्राइक रेट 89 प्रतिशत। वे यदि चाहेंगे तो शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार ) के बिना भी सरकार बना सकते हैं। यह चुनाव भाजपा ने पूरा ईवीएम के माध्यम से टारगेटेड पोलिंग बूथ्स पर मैनीपुलेट कर जीत हासिल की है। लोग कहेंगे फिर झारखंड वे कैसे हार गये? आप ही सोचिए नरेंद्र मोदी, अमित शाह के लिए क्या झारखंड से महाराष्ट्र अधिक महत्वपूर्ण नहीं है? इंडिया गठबंधन को चुनाव आयोग के व्यवहार पर और ईवीएम द्वारा चुनाव कराये जाने के विषय पर तत्काल चर्चा करना चाहिए।'

चुनावी प्रक्रिया से जुड़ा हुआ कोई भी समझदार नेता या कार्यकर्ता, इतना सक्षम होता है कि वह अपने–अपने बूथ पर होने वाली वोटिंग का सटीक नतीजा बता सकता है। इसलिए यह कहना कि कांग्रेस नेताओं को सच का अहसास नहीं होगा, अपने आप में पूरी तरह से गलत होगा।

दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तो यह है कि अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए कांग्रेस नेता जो तर्क देते हैं। उसे राहुल गांधी भी स्वीकार कर लेते हैं या उन्हें करना पड़ता है। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद भी राहुल गांधी ने अप्रत्याशित नतीजों का विश्लेषण करने की बात कही थी और राहुल गांधी के उसी ट्वीट को उनकी सोशल मीडिया टीम ने थोड़ा हेर–फेर कर महाराष्ट्र चुनाव में मिली हार के बाद भी चिपका दिया। यानी या तो राहुल गांधी हार के विश्लेषण को लेकर गंभीर नहीं है या फिर वरिष्ठ नेताओं की टोली उनपर इस कदर हावी हो गई है कि राहुल गांधी कुछ कर ही नहीं पा रहे हैं। दोनों ही सूरतों में यह कांग्रेस, विपक्ष और लोकतंत्र तीनों के लिए अच्छी स्थिति नहीं कही जा सकती है।

# बड़े काम की है बिजली सखी योजना, हर महीने 50000 रुपये तक कमाई

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दो साल पहले महिला सशक्तिकरण के लिए बिजली सखी योजना शुरू की गई थी और अब इसकी प्रगति रिपोर्ट जारी की गई है। यूपी बिजली सखी योजना के लॉन्च होने के 2 साल से अधिक समय बाद अब तक कुल 5,395 महिलाओं द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में 625 मिलियन रुपये का बिजली बिल संग्रह किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं के लिए विशेष रोजगार योजना के रूप में यूपी बिजली सखी योजना शुरू की थी। इस योजना में राज्य सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली बिल संग्रह के लिए महिलाओं को रोजगार प्रदान किया। इसका मुख्य उद्देश्य आम आदमी को लाभ पहुंचाना था, क्योंकि लोगों को अपने बिजली बिल जमा करने के लिए संबंधित सरकारी कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे क्योंकि "सखी" उनके घर से ही बिजली बिल एकत्र करेंगी।

मई 2020 में शुरू की गई इस पहल को उत्तर प्रदेश बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट सखी योजना नामक एक बड़ी योजना के हिस्से के रूप में लॉन्च किया गया था। यूपी बिजली सखी योजना (यूपी बीसी सखी योजना का एक हिस्सा) के तहत महिला स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया

गया और उन्हें डोर टू डोर मीटर रीडिंग और बिल संग्रह अभ्यास करने के लिए नियुक्त किया गया। इससे गांव–देहात के लोगों को बिजली बिल जमा करने के लिए लंबी कतारों में खड़े होने से मुक्ति मिलती है, वहीं इस योजना से जुड़ी महिलाएं भी हर महीने हजारों की कमाई कर रही हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने राज्य के सभी जिलों में स्वयं सहायता समूहों को नागरिकों से उनके दरवाजे पर बिल भुगतान एकत्र करने की अनुमति देने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। वर्तमान में राज्य के 75 जिलों में बिजली बिल संग्रह के लिए एक एजेंसी के रूप में 73 क्लस्टर स्तरीय संघों को यूपीपीसीएल पोर्टल https://www-upenergy-in/ पर पंजीकृत किया गया है।

यूपी बिजली सखी योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना, लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली का कुशल वितरण सुनिश्चित करना है। इस योजना के माध्यम से महिलाओं को "बिजली सखी" या बिजली मित्र के रूप में प्रशिक्षित किया जाता है, जो अपने समुदायों में अंतिम–मील कनेक्टिविटी प्रदान करने और बिजली से संबंधित मुद्दों को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बिजली वितरण प्रणाली में महिलाओं को सक्रिय रूप से शामिल करके कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में अधिक समावेशी और टिकाऊ ऊर्जा क्षेत्र बनाना है।

बिजली क्षेत्र में महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करके यूपी बिजली सखी योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और महिलाओं को सशक्त बनाना है। यह योजना न केवल प्रतिभागियों को लाभान्वित करती है, बल्कि समुदाय के समग्र विकास और प्रगति में भी योगदान देती है। इस योजना के तहत महिलाओं को बिजली सखी (बिजली मित्र) के रूप में प्रशिक्षित किया जाता है जो अपने समुदायों में बिजली के वितरण और प्रबंधन में सहायता करती हैं।

### यूपी बिजली सखी योजना 2024 के लाभ

इस योजना के लाभ इस प्रकार हैं–

– महिलाओं के लिए रोजगार के अवसररू यूपी बिजली सखी योजना महिलाओं को अपने गांव या आस–पास के क्षेत्र में बिजली कनेक्शन संचालित करने का अवसर प्रदान करती है और इसके लिए उन्हें वेतन भी मिलता है।

– ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली कनेक्शनों का प्रचलनरू इस योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली कनेक्शनों का प्रचलन बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की उपलब्धता में सुधार होगा।

– बिजली के उपयोग का ज्ञानरू योजना के तहत महिलाओं को बिजली के उपयोग का ज्ञान दिया जाता है। वे बिजली कनेक्शन को सही तरीके से संचालित करने के लिए तकनीकी ज्ञान प्राप्त करती हैं।

– बिजली की बचत – योजना के तहत महिलाओं को बिजली की बचत के तरीकों का ज्ञान दिया जाता है जिससे उन्हें बिजली के उपयोग में बचत करने की क्षमता मिलती है।

– बिजली सेवा में सुधाररू इस योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली सेवा में सुधार किया जाता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर बिजली सेवा प्रदान की जाए।

– महिलाओं का सशक्तिकरणरू यह योजना महिलाओं को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इससे महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलता है।

– रणनीतिक शिक्षारू यूपी बिजली सखी योजना के तहत महिलाओं को रणनीतिक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलता है, जिससे उन्हें बिजली कनेक्शन संचालित करने का ज्ञान मिलता है।

– ग्रामीण विकासरू इस योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की गति को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि सभी ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की पहुँच हो।

– ग्रामीण महिलाओं का सम्मानरू यह योजना ग्रामीण समाज में महिलाओं के सम्मान का एक माध्यम है। इससे महिलाओं को समाज में अपनी पहचान बनाने का मौका मिलता है।

– ग्रामीण आर्थिक विकासरू यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ाने का एक माध्यम है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं और आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।

### उत्तर प्रदेश बिजली सखी योजना पात्रता मानदंड

आवेदकों को इस योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के लिए नीचे दिए गए बिंदुओं का पालन करना होगा –

– लिंग– यह योजना विशेष रूप से महिलाओं के लिए है। केवल महिला उम्मीदवार ही बिजली सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आवेदन कर सकती हैं।

– निवास– आवेदक उत्तर प्रदेश का स्थायी निवासी होना चाहिए। निवास का प्रमाण, जैसे कि वैध पते का प्रमाण पत्र आवश्यक होगा।

– शैक्षणिक योग्यता – न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता कक्षा 10वीं पास है। आवेदकों को अपने शैक्षिक प्रमाण पत्र या मार्कशीट की एक प्रति प्रदान करनी होगी।

– आयु सीमा – आवेदक की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

आयु का प्रमाण, जैसे कि जन्म प्रमाण पत्र या आधार कार्ड, प्रस्तुत करना होगा।

– शारीरिक फिटनेस– आवेदक शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए और बिजली सखी को सौंपे गए कर्तव्यों को करने में सक्षम होना चाहिए। पंजीकृत चिकित्सक से मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र की आवश्यकता हो सकती है।

– बुनियादी कंप्यूटर ज्ञान– बुनियादी कंप्यूटर ज्ञान वांछनीय है लेकिन अनिवार्य नहीं है। चयन प्रक्रिया के दौरान कंप्यूटर साक्षरता वाले उम्मीदवारों को वरीयता दी जाएगी।

# अगर नहीं किया पालन तो सब्सिडी के पैसे वापस ले लेगी सरकार

केंद्र सरकार ने अपनी महत्वाकांक्षी स्कीम प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) का जो दूसरा चरण लागू किया है, उसमें पात्र व्यक्तियों को क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी स्कीम (सीएलएसएस) के जरिए होम लोन पर रियायत मिलती है और घर खरीदारों को किफायती दर ब्याज मिलता है। इसका मकसद लोगों को घर खरीदने या बनाने में मदद करना है। क्योंकि पीएमएवाई सब्सिडी से होम लोन की अदायगी की लागत कम हो जाती है। इससे घर खरीदना या बनाना और भी किफायती हो जाता है।

लेकिन यदि आप कुछ शर्तों का उल्लंघन करते हैं तो इस योजना के तहत दी गई ब्याज सब्सिडी वापस ली जा सकती है। सरकारी नियमों के मुताबिक, ऐसी तीन स्थितियां हैं जिनमें सब्सिडी वापस ली जा सकती है। इनमें कर्ज का एनपीए होना, घर का निर्माण रुकना और उपयोग प्रमाण पत्र प्रस्ध्तुत करने में विफल रहना शामिल है। इसका मतलब यह हुआ कि होम लोन की अदायगी की शुरुआत में उन्हें जो ब्याज सब्सिडी दी गई थी, उसे बाकी लोन की मूल राशि में जोड़ दिया जाएगा। इससे कर्ज लेने वाले को होम लोन की अवधि तक इस लोन राशि पर अधिक ईएमआई का भुगतान करना होगा।

बता दें कि केंद्र सरकार ने 9 अगस्त 2023 को ही प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 लॉन्च की थी। दरअसल, इसे पहले चरण की जोरदार सफलता के बाद लाया गया है। इस योजना में सरकार जरूरतमंदों को घर बनवाने के लिए सब्सिडी देती है। यह क्रेडिट–लिंक्ड सब्सिडी स्कीम (सीएलएसएस) होती है। इससे होम लोन चुकाने की लागत कम हो जाती है। लेकिन, यदि सब्सिडी का लाभ लेने वाला शख्स कुछ शर्तों को पूरा नहीं करता, तो उससे सब्सिडी वापस भी ली जा सकती है।

इसलिए आइए यहां पर जानते हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवेदन करते समय किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। वहीं, किन–किन शर्तों को पूरा करने में चूक जाने पर सब्सिडी के पैसे ब्याज समेत वापस करने पड़ सकते हैं–

भले ही केंद्र में सत्तारूढ़ नरेंद्र मोदी सरकार का जोर है कि अधिक से अधिक लोग प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उठाएं। लेकिन, कुछ लोग जानबूझकर या मजबूरी में कुछ गलतियां करते हैं, जिससे क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी वापस जाने की स्थिति आसन्न खतरे के रूप में मंडराती रहती है।

पहली बात, यदि कर्ज लेने वाला शख्स बैंक को समय पर कर्ज की किस्तें नहीं चुका पाता है और उसका लोन नॉन–परफॉर्मिंग असेट यानी एनपीए बन जाता है तो.... । इसका मतलब कि बैंक मान लेता है कि अब उसे ये लोन वाली रकम वापस नहीं मिलेगी। इस स्थिति में क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी वापस चली जाती है। फिर शेष रकम लोन धारक से ही वसूली जाती है।

दूसरी बात, यदि किसी लाभार्थी को क्रेडिट सब्सिडी मिल चुकी है और उसने मकान–निर्माण भी शुरू कर दिया है। लेकिन, किसी कारणवश वह निर्माण बंद करा देता है। इस सूरत–ए–हाल में लाभार्थी को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिली सब्सिडी वाली रकम लौटानी पड़ेगी।

तीसरी, यदि लाभार्थी मकान के इस्तेमाल का सर्टिफिकेट नहीं जमा कराता है, तब भी सरकार सब्सिडी वाली रकम वापस ले सकती है। नियम यह है कि इस सर्टिफिकेट को कर्ज की पहली किस्त बांटने की तारीख से एक साल से लेकर 36 महीनों के भीतर जमा करना होता है। कहने का तात्पर्य यह कि कर्ज देने वाले बैंक को आवास इकाई के पूरा होने के लिए नोडल एजेंसी को कर्ज राशि की पहली किस्त के वितरण की तारीख से एक वर्ष के भीतर या अधिकतम 36 महीने के भीतर उपयोग अंतिम–उपयोग प्रमाण पत्र प्रदान करना होता है। इस प्रमाण पत्र के अभाव में बैंक को संबंधित नोडल एजेंसी को सब्सिडी वापस करनी होती है। इसलिए लोन लेने वाले को इन तीनों बिंदुओं पर सजगता बरतनी चाहिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लोन लेने वाले व्यक्ति को यह पता होना चाहिए कि किसी भी परिवार के एक सदस्य को ही सब्सिडी मिलती है। इस एक परिवार में पति और पत्नी के साथ अविवाहित बच्चे भी शामिल होते हैं।

वहीं, आवेदक या उसके परिवार के नाम से कोई पक्का मकान नहीं होना चाहिए। उसे किसी अन्य आवास योजना से घर के लिए सहायता राशि भी नहीं मिली होनी चाहिए। अन्यथा उसकी पात्रता समाप्त समझी जाएगी और उसे मूल बाजार दर पर सभी धनराशि लौटानी पड़ेगी।

आपको पता होना चाहिए कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ब्याज सब्सिडी को लाभार्थी के लोन अकाउंट में एडवांस में दिया जाता है। इसका मतलब है कि इसे होम लोन की शुरुआत में ही क्रेडिट कर दिया जाता है। इससे प्रभावी हाउसिंग लोन की रकम और ईएमआई कम हो जाती है। हालांकि भूलचूक वश सब्सिडी खत्म होने के बाद लाभार्थी को मूल ब्याज दर पर लौटना पड़ता है, जिससे ईएमआई में इजाफा हो जाता है। इसलिए इस मामले में फूंक फूंक कर कदम रखिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अनुसार, तीन केंद्रीय नोडल एजेंसियां (सीएनए) बैंकों को सब्सिडी राशि वितरित करती हैं। इन तीन एजेंसियों में नेशनल हाउसिंग बैंक (एनएचबी), हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचयूडीसीओ) और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) शामिल हैं।

हालांकि, सरकार ने पीएमएवाई 2.0 के लिए संचालन दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। लेकिन, उसने इसे अभी तक सार्वजनिक नहीं किया है। लिहाजा, यह संभावना है कि पीएमएवाई 1.0 और 2.0 के तहत क्लॉबैक की शर्तें समान हों। इन्हें नोडल एजेंसी इसलिए बनाया गया है ताकि सरकारी नीतियों का कार्यान्वयन प्रभावी तरीके से सम्भव हो पाए।

# सुर्खियां बटोरने के लिए यूपी के महिला आयोग का पैतरा

देश के संवैधानिक आयोग नखदंतविहीन हैं। ऐसे में भी आयोग के कर्ताधर्ता नेताओं की तरह व्यवहार करके आयोग की गरिमा को कम करने के साथ ही उपहास का पात्र बनते हैं। उत्तर प्रदेश के राज्य महिला आयोग ने इसी तरह का कृत्य करके अपनी महत्ता को कम करने का काम किया है। आयोग ने योगी सरकार को एक सिफारिश की। इसमें प्रदेश में पुरुष टेलर द्वारा महिलाओं के कपड़ों के माप लेने पर रोक लगाने, कोचिंग सेंटरों में सीसीटीवी कैमरे, जिम में महिला ट्रेनर लगाने का जिक्र किया गया है। महिलाओं की सुरक्षा को देखते हुए आयोग ने यह प्रस्ताव भेजा है। आयोग का यह कृत्य दर्शाता है कि आयोग मूल उद्श्यो से भटक कर राजनीतिक पैतरेबाजी करने में जुटा है। आयोग को उत्तर प्रदेश में महिलाओं के साथ होने वाले अपराध, आर्थिक और शैक्षणिक स्थिति में सुधार करने से कोई सरोकार नहीं है।

आयोग की इस सिफारिश को अब शासन से मंजूरी मिलने का इंतजार है। आयोग के इस प्रस्ताव में प्रदेश में कानून–व्यवस्था की मौजूदा हालत जिक्र नहीं है। आयोग ने यह भी नहीं बताया कि सिफारिश में किए गए प्रावधान ही क्या महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के लिए जिम्मेदार हैं। आयोग ने अपराधों के बाद पुलिस कार्रवाई के तौर–तरीकों पर एक लाइन भी नहीं कही। बालिकाओं के शैक्षणिक स्थलों के पास छेड़छाड़ की घटनाएं रोकने के लिए महिला पुलिसकर्मियों की स्थायी तैनाती पर आयोग चुप रहा। महिला आयोग ने यह भी नहीं बताया कि प्रदेश में इतनी संख्या में प्रशिक्षित महिलाएं का इंतजाम कैसा होगा। क्या सरकार इसके लिए महिलाओं के प्रशिक्षण का इंतजाम करने में सक्षम है। प्रशिक्षण के बाद स्वरोजगार के लिए महिलाओं को ऋण और स्थान इत्यादि की व्यवस्था कैसे होगी, इस पर आयोग की सिफारिश में कोई जिक्र नहीं है। महिलाओं की सुरक्षा की चिंता करने वाला उत्तर प्रदेश का महिला आयोग यह भूल गया कि प्रदेश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था चरमराई हुई है। यात्रियों से ठसाठस भरे वाहनों में महिलाओं को बेहद मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। महिलाओं के लिए प्रदेश में अलग से परिवहन की व्यवस्था नहीं है। आरक्षित सीटों पर भी महिलाओं को भारी मशक्कत करनी पड़ती है। सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं से छेड़छाड़ की बात आम है। महिला हितों की पैरवी करने वाले महिला आयोग की निगाह यहां तक नहीं पहुंची। इसी तरह महिलाओं की बीमारियों से और प्रसूती की हालत से निपटने के लिए पर्याप्त चिकित्सकों और अस्पतालों की व्यवस्था नहीं है।

आयोग ने पुलिस थानों में महिलाओं की पर्याप्त संख्या और महिला पुलिस थानों की जरूरत पर जोर नहीं दिया। महिलाओं के लिए आज भी पुलिस थानों में जाकर शिकायत दर्ज कराना आसान नहीं है। पुलिसकर्मी पीडिध्त महिलाओं से किस तरह का व्यवहार करते हैं, यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं कि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने माफिया और गैंगस्टरों को धूल चटाने में कसर बाकी नहीं रखी। प्रदेश से लगभग सभी बड़े माफिया और गैंगस्टर या तो मारे जा चुके हैं या फिर जेलों में बंद हैं। इसके बावजूद यह नहीं कहा जा सकता कि आम लोगों के लिए पुलिस की कार्यप्रणाली में सुधार हुआ है। पुलिस में भ्रष्टाचार और भेदभाव की घटनाएं आम हैं।

आयोग ने इन तमाम मुद्दों को नजरंदाज कर दिया। आश्चर्य की बात यह है कि व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और दुकानों में महिलाओं की नियुक्ति की पैरवी करने वाला आयोग राज्य में महिलाओं के साथ हुए अपराधों पर सक्रिय कार्रवाई नहीं कर सका। हाथरस और उन्नाव कांड इसका उदाहरण है। ऐसे अपराधों को रोकने के लिए आयोग ने कोई भूमिका नहीं निभाई। 14 सितंबर, 2020 को हाथरस में एक दलित युवती के साथ चार पुरुषों ने सामूहिक बलात्कार किया। इसी तरह 4 जून, 2017 को उन्नाव में 17 साल की लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार हुआ। इसमें लड़की की मौत हो गई। ऐसे मुद्दों पर आयोग कोई ठोस सुझाव राज्य सरकार को नहीं दे सका। भारत में बाल मजदूरों का सबसे ज्यादा संख्या 5 राज्यों में है। सबसे ज्यादा बाल मजदूर उत्तर प्रदेश और बिहार से हैं। उत्तर प्रदेश में 21.5 फीसदी यानी 21.80 लाख और बिहार में 10.7 फीसदी यानी 10.9 लाख बाल मजदूर हैं। उत्तर प्रदेश में बाल मजदूरों की संख्या 21.7 लाख है। यह यूपी की कुल आबादी का 21 फीसदी है। हालांकि यह मुद्दा सीधा महिला आयोग के तहत नहीं आता, फिर कोई महिला अपने कलेजे के टुकड़े से मजदूरी कैसे करवा सकती है। महिला आयोग ने कभी इस पर विचार नहीं किया।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराधों (जैसे बलात्कार, हत्या, अपहरण, बलात्कार के बाद हत्या और सामूहिक बलात्कार) की कुल संख्या में उत्तर प्रदेश देश में सबसे ऊपर रहा। इसमें 65,743 ऐसे मामले दर्ज किए गए। महिलाओं की सुरक्षा के नाम पर 2017 में जब योगी आदित्यनाथ ने राज्य की बागडोर संभाली थी, तो उन्होंने महिलाओं के सार्वजनिक उत्पीडन को रोकने के लिए ष्एंटी–रोमियो स्क्वॉडष का गठन किया था। बाद में उनकी सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने और उनकी सुरक्षा के नाम पर गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम, 2021 बनाया, जिसे लव–जेहाद विरोधी कानून के रूप में जाना जाता है।

अपराध के आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि इन कानूनों के बन जाने के बाद भी महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों में ज्यादा सुधार नहीं हुआ। इसकी राज्य महिला आयोग ने कभी समीक्षा नहीं की। गौरतलब है आयोग को सिर्फ नोटिस देकर बुलाने का अधिकार है, कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है। अपने इस अधिकार के लिए भी आयोग ने कभी आवाज बुलंद नहीं की। इससे साफ जाहिर है कि आयोग का महिलाओं की सुरक्षा की सिफारिश का दावा खोखला है। धरातल की हालत से दूर ऐसी सिफारिश सिर्फ सुर्खियां बटोरने से ज्यादा कुछ नहीं है।

# छोटे-छोटे निवेश से बनाइए बड़ा कोष

किसी भी कारोबार या आर्थिक व्यवहार में लीक से हटकर चलने वाला व्यक्ति ही सफल होता है। यदि आप भी छोटे–छोटे निवेश से बड़ा कोष बनाने की इच्छा रखते हैं, तो आजमाइए कुछ महत्वपूर्ण टिप्स जिससे आपको लाभ और आर्थिक सुचिता दोनों मिलेगी। आम तौर पर कम पढ़े लिखे लोग सोना–चांदी, बर्तन, घर, वाहन आदि में निवेश करते हैं, जबकि ज्यादा पढ़े लिखे लोग मौद्रिक निवेश करते हैं। वो छोटी–छोटी धनराशि से निवेश शुरू करके उससे बड़ी राशि इकट्ठा कर लेते हैं। इसलिए इन्वेस्टमेंट कंसल्टेंट से सम्पर्क करके आप भी यह आदत डाल सकते हैं। कहने का तातपर्य यह कि आप सोना–चांदी, जमीन, घर, वाहन आदि की खरीदारी करने में लगने वाली बड़ी धनराशि के सदुपयोग के साथ–साथ छोटी––छोटी मौद्रिक निवेश की पहल भी शुरू कर सकते हैं, जो आपको दो–चार वर्ष बाद बड़ी धनराशि दे सकती है। खासकर सावधि जमा (एफडी), मासिक आवर्ती जमा (आरडी), दैनिक जमा (डीडी) के अलावा शेयर बाजार में म्यूचुअल फंड, एसआईपी या अन्य स्टॉक में भी निवेश कर सकते हैं। इसलिए यहां पर हम आपको बताएंगे कि आप कैसे निवेश की रणनीति बनाएं और छोटी–छोटी राशि से निवेश शुरू करके अपनी धनराशि को बड़ा बनाएं।

मौद्रिक निवेश की आदत अपनाने के साथ ही मन में यह सवाल आता है कि हमें अपना निवेश करना कब से शुरू करना चाहिए। इस नजरिए से यह बताना जरूरी है कि जब आप गुल्लक में निवेश करना बंद कर दें, यानी लगभग 20 साल के हो जाएं तो अपना निवेश शुरू कर दें। लेकिन किसी कारणवश यदि आप वैसा नहीं कर पाएं हैं तो जब भी निवेश का अवसर मिले, तब से यह काम शुरू कर दीजिए।पहले 1 वर्ष, 2 वर्ष, 3 वर्ष, 5 वर्ष की रणनीति बनाइए, फिर उसे आगे बढ़ाते हुए 10 साल, 20 साल तक ले जा सकते हैं। क्योंकि बचत और निवेश की आदत इतनी अच्छी आदत है कि वह कभी भी किसी के सामने हाथ फैलाने की नौबत नहीं आने देगी। इसलिए यदि आप निवेश करना चाह रहे हैं तो अभी का समय भी काफी सही है। क्योंकि आप जितनी जल्दी निवेश करना शुरू करेंगे उतना ही आपको बेहतर रिटर्न मिलेगा। निवेश करके आप अपने सपने जैसे कार लेना, घर बनाना, बच्चों की पढ़ाई, बड़ी पूंजी जुटाने आदि को पूरा कर सकते हैं। यूँ तो जब हम निवेश करना शुरू करते हैं तो हमें यह भी समझ नहीं आता है कि हमें कितने समय तक और कहां–कहां निवेश करना चाहिए। इस सवाल का सटीक जवाब है लाइफटाइम, क्योंकि हरेक उम्र अपनी अपनी जरूरत और प्राथमिकता होती है, जब हर किसी को पैसे की जरूरत पड़ती है। फिर भी, आपको पता होना चाहिए कि आप जितने लंबे समय तक अपना निवेश करते रहेंगे, उतना ही ज्यादा लाभ आपको होगा। वैसे भी यदि आप लंबे समय तक निवेश नहीं करना चाहते हैं तो कम से कम पांच साल तक आपको निवेश करना चाहिए। क्योंकि बैंक जमा या डाकघर जमा में आपको तय लाभ मिलते हैं, वहीं स्टॉक मार्केट यानी शेयर बाजार में आपको रिटर्न बाजार की चाल पर मिलता है।

# चौन से कटेगा बुढ़ापा, रिटायरमेंट के लिए इस फॉर्मूले से तैयार कीजिए फंड

रिटायरमेंट एक ऐसी उम्र होती है जो शांतिपूर्ण और परेशानी मुक्त होनी चाहिए। कोई भी चीज किसी के रिटायरमेंट को खराब नहीं कर सकती और न ही करनी चाहिए। यहां तक कि वित्तीय मामले भी नहीं। इसलिए रिटायरमेंट प्लानिंग उस उम्र से ही जरूरी हो जाती है जब कोई काम करना शुरू करता है। जितनी जल्दी कोई रिटायरमेंट के लिए योजना बनाता है, उतनी ही जरूरी रकम जमा करने की संभावना होती है।

रिटायरमेंट प्लानिंग रिटायरमेंट के बाद या जब आप काम करना बंद कर देते हैं, तब के लिए वित्त की तैयारी होती है। रिटायरमेंट के लिए प्लानिंग उस दिन से शुरू की जा सकती है, जिस दिन आपको पहली सैलरी मिलती है। मुद्रास्फीति आपके पैसे के मूल्य को कम करने के लिए जानी जाती है। आपको ऐसे वित्तीय साधनों में निवेश करना चाहिए जो कुछ समय में मुद्रास्फीति से ज्यादा रिटर्न दे सकें। यह आपको रिटायरमेंट में गुणवत्तापूर्ण जीवनशैली का आनंद लेने के लिए वित्त जुटाने में मदद करता है। रिटायरमेंट प्लानिंग में रिटायरमेंट में होने वाले खर्चों का अनुमान लगाना, आपकी रिटायरमेंट के लिए समय सीमा निर्धारित करना, जोखिम उठाने की क्षमता का आकलन करना और आपके निवेश की कर–दक्षता शामिल होनी चाहिए। जीवन प्रत्याशा बढ़ रही है। अगर आप अपने रिटायरमेंट के लिए निवेश नहीं करते हैं तो आपको पैसे के लिए बच्चों और रिश्तेदारों पर निर्भर रहना पड़ेगा। जब आपकी सैलरी में बढ़ोतरी हो तो आपको रिटायरमेंट के लिए अपना निवेश बढ़ाना चाहिए। अपने रिटायरमेंट के लिए अलग रखे गए पैसे को हाथ न लगाएं, नहीं तो आप कंपाउंडिंग का लाभ खो देंगे।

रिटायरमेंट प्लानिंग कैलकुलेटर एक उपयोगी उपकरण है जो आपको रिटायरमेंट के बाद आपको आवश्यक धनराशि दिखाता है। यह आपको रिटायरमेंट के समय वांछित रिटायरमेंट कॉर्पस प्राप्त करने के लिए अपने निवेश की योजना बनाने में मदद करता है।

रिटायरमेंट प्लानिंग कैलकुलेटर दो प्राथमिक उद्देश्यों की पूर्ति करेगा। यह आपको रिटायरमेंट के बाद अपनी वर्तमान जीवनशैली को बनाए रखने के लिए आवश्यक धनराशि दिखाता है। रिटायरमेंट प्लानिंग कैलकुलेटर में एक फॉर्मूला बॉक्स होता है, जहाँ आप अपनी वर्तमान आयु, जिस आयु में आप रिटायर होने की योजना बनाते हैं, जीवन प्रत्याशा और रिटायरमेंट में आपको आवश्यक मासिक आय का चयन करते हैं। आपको अपेक्षित मुद्रास्फीति दर (एक अच्छा अनुमान 6–7: प्रति वर्ष होगा), निवेश पर अपेक्षित रिटर्न और यदि आपने रिटायरमेंट के लिए कोई राशि अलग रखी है, तो उसे भी चुनना होगा। रिटायरमेंट प्लानिंग कैलकुलेटर आपको दिखाएगा कि आपको रिटायरमेंट पर कितनी वार्षिक आय की आवश्यकता है, आपको अपनी रिटायरमेंट के लिए कितनी अतिरिक्त राशि प्राप्त करनी चाहिए और अपनी इच्छित रिटायरमेंट कॉर्पस को जमा करने के लिए मासिक बचत कितनी है।

रिटायरमेंट प्लानिंग कैलकुलेटर आपको रिटायरमेंट में आवश्यक राशि का अनुमान लगाएगा। यह उस कोष की भी गणना करेगा, जो रिटायरमेंट में आपकी जरूरत के हिसाब से आय जुटाएगा।

आप रिटायरमेंट प्लानिंग कैलकुलेटर की मदद से संभावित रिटायरमेंट खर्चों का अनुमान लगा सकते हैं और उनका बजट बना सकते हैं।

इसके संभावित लाभ इस प्रकार हैं–

– आपकी वर्तमान आयु, प्रत्याशित रिटायरमेंट आयु, जीवन प्रत्याशा, बचत, अपेक्षित निवेश रिटर्न, मुद्रास्फीति और वांछित रिटायरमेंट जीवनशैली ऐसे कुछ कारक हैं, जिन पर रिटायरमेंट कैलकुलेटर आपकी रिटायरमेंट के लिए वित्तीय आवश्यकताओं का अनुमान लगाते समय विचार कर सकता है।

– आपके प्रत्याशित रिटायरमेंट खर्चों के आधार पर कैलकुलेटर आपको प्राप्त करने योग्य बचत उद्देश्यों को स्थापित करने में सहायता कर सकता है। यह पता लगा सकता है कि आपको अपने रिटायरमेंट उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए निवेश, रिटायरमेंट खातों या किसी अन्य प्रकार के बचत विकल्प में नियमित रूप से कितनी बचत करने की आवश्यकता है।

– कैलकुलेटर का उपयोग करके पेंशन योजनाओं, वार्षिकी, सामाजिक सुरक्षा और अन्य निवेशों के प्रकारों सहित विभिन्न स्रोतों से रिटायरमेंट आय का अनुमान लगाया जा सकता है।

यह विभिन्न स्रोतों से आपको मिलने वाली धनराशि का अनुमान लगा सकता है, जो आपको अधिकतम संभव आय के साथ रिटायरमेंट की योजना बनाने में मदद कर सकता है।

– समय के साथ मुद्रास्फीति और अनुमानित निवेश रिटर्न को ध्यान में रखने की क्षमता रिटायरमेंट कैलकुलेटर की एक बड़ी विशेषता है।

# भारत ने पहला टेस्ट 295 रन से जीतकर 1–0 की बढ़त बनाई, तोड़ा आस्ट्रेलिया का घमंड

पर्थ में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेला गया। यह सीरीज दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है और यह साफ हो जाएगा कि कौन सी टीम विश्व टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल में पहुंचेगी। भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 238 रन पर सिमट गई।

भारत ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हरा दिया है। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में कंगारू टीम 238 रन पर सिमट गई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने पहली पारी में 150 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी में 104 रन पर सिमट गई। भारत को पहली पारी के आधार पर 46 रन की बढ़त मिली थी। दूसरी पारी भारत ने छह विकेट पर 487 रन बनाकर घोषित कर दी थी और कुछ बढ़त 533 रन की हासिल की थी।

ध्यान देने वाली बात यह है कि टीम इंडिया में न तो रोहित शर्मा थे, न ही शुभमन गिल, न ही रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन और न ही मोहम्मद शमी थे। इसके बावजूद टीम इंडिया ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। 2021 में गाबा में ऑस्ट्रेलिया का घमंड तोड़ने के बाद भारत ने अब पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया का घमंड तोड़ा है। इस टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में चार टेस्ट खेले थे और सभी जीते थे। पांचवें में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। पहले मैच पर्थ के वाका स्टेडियम में खेले जाते थे। हालांकि, 2018 से ऑप्टस स्टेडियम में मैच खेले जाने लगे। पर्थ (वाका, 2008), एडिलेड (2008), गाबा (2021) और अब पर्थ (ऑप्टस)...भारत ने ऑस्ट्रेलिया में कुछ ऐतिहासिक मैच जीते हैं।

खास बात यह है कि ऑस्ट्रेलिया की तुलना में कम अनुभव वाली टीम ने कंगारुओं को चौंकाया है। पर्थ की उछाल और गति वाली पिच पर मेजबान को डरा कर रखना शानदार बात रही। भारत का यह ऑस्ट्रेलिया में रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत भी है। 295 रन से यह मुकाबला जीतने से पहले भारत ने मेलबर्न में 1977 में 222 रन से जीत दर्ज की थी। वहीं, 2018 में भारत ने मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया को 137 रन से हराया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0–3 से क्लीन स्वीप होने के बाद भारतीय टीम की यह वापसी खास है।

## विश्व एथलेटिक्स प्रमुख सेबेस्टियन को भारत पहुंचे, 2036 ओलंपिक की दावेदारी पर की बात

विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सबेस्टियन को ने सोमवार को खेलमंत्री मनसुख मांडविया के साथ मुलाकात करके भारत के 2036 ओलंपिक की मेजबानी के इरादे और देश में एथलेटिक्स के विकास पर बात की। को ने बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी अनौपचारिक मुलाकात की लेकिन उसके बारे में विस्तार से कोई जानकारी नहीं है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के एक शीर्ष सूत्र ने यह जानकारी दी। इसके बाद को शाम की फ्लाइट से मुंबई रवाना हो गए। चार ओलंपिक पदक जीतने वाले 68 वर्षीय मध्यम दूरी के पूर्व धावक को की सोमवार सुबह दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के प्रमुख आदिले सुमरिवाला ने अगवानी की।

ब्रिटेन के महान खिलाड़ी को वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) का अगला अध्यक्ष बनने की दौड़ में हैं और माना जाता है कि यह दौरा उनके लिए समर्थन जुटाने के अभियान का हिस्सा है। खेल मंत्रालय की मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार ,'' डॉक्टर मांडविया ने उनसे समावेशी, पर्यावरण अनुकूल और प्रेरणादायी खेलों के आयोजन के भारत के संकल्प पर बात की। उन्होंने यह भी कहा कि विश्व स्तर पर भारत की सांस्कृतिक विरासत और खेल क्षमता को दिखाने के लिये 2036 ओलंपिक की मेजबानी की हमारी महत्वाकांक्षा को हर स्तर पर सरकार, उद्योग और समाज का व्यापक समर्थन हासिल है।''

भारत ने पिछले सप्ताह अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को 2036 ओलंपिक की मेजबानी का इरादा जाहिर करने वाला पत्र सौंप दिया है। मेजबान शहर का फैसला अगले साल आईओसी चुनाव के बाद होगा। आईओसी के चुनाव अगले साल होने हैं। थॉमस बाक अभी आईओसी प्रमुख हैं।

मांडविया और को की मुलाकात के दौरान सुमरिवाला, एएफआई महासचिव रविंदर चौधरी और खेल मंत्रालय के कई अधिकारी मौजूद थे। एएफआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''ये अनौपचारिक बैठकें हैं, असल में शिष्टाचार भेंट। शाम को प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद वह एक व्यावसायिक कार्यक्रम के लिए मुंबई जाएंगे।''

को के नाना एक भारतीय (दिवंगत होटल व्यवसायी सरदारी लाल मल्होत्रा) थे। को अंतरराष्ट्रीय खेलों में एक लोकप्रिय व्यक्ति हैं और पेरिस ओलंपिक से पहले उन्होंने काफी चर्चा बटोरी थी जब उनके नेतृत्व में विश्व एथलेटिक्स ओलंपिक पदक विजेताओं के लिए भारी नकद पुरस्कारों की घोषणा करने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय महासंघ बन गया था। उनकी यात्रा के दौरान एएफआई द्वारा 2028 जूनियर विश्व चौंपियनशिप की मेजबानी के लिए प्रयास किए जाने की उम्मीद है।

मुंबई में वह टाटा कम्युनिकेशंस के प्रतिनिधियों से मिलेंगे क्योंकि कंपनी को विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चौंपियनशिप के लिए मेजबान प्रसारक के रूप में शामिल किया गया है जो 2026 में 11 से 13 सितंबर तक बुडापेस्ट में आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में प्रत्येक स्पर्धा में दुनिया के शीर्ष रैंकिंग वाले आठ से 16 एथलीट शामिल होंगे जिनका चयन मुख्य रूप से विश्व रैंकिंग के आधार पर किया जाएगा। प्रत्येक देश के कितने खिलाड़ी प्रत्येक स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं इस पर कोई सीमा नहीं होगी। 100 मीटर, पोल वॉल्ट और चार गुणा 100 मीटर सहित कुल 16 स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी जिनकी कुल पुरस्कार राशि एक करोड़ डॉलर होगी।

## क्या ऑस्ट्रेलियाई टीम में पड़ चुकी है दरार?

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी खेली जा रही है। भारतीय टीम ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में जीत हासिल की और सीरीज में 1–0 की बढ़त हासिल की। ऑस्ट्रेलिाई टीम में पिछले कुछ समय से दरार की खबरें आ रही हैं और अब ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने इसे लेकर चुप्पी तोड़ी है। कमिंस का कहना है कि टीम पूरी तरह से एकजुट है।

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में खराब बल्लेबाजी के बावजूद कमिंस ने बल्लेबाजों का बचाव किया। इसके अलावा उन्होंने ड्रेसिंग रूम में बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच दरार की खबरों का खंडन किया। दरअसल, इस मामले की शुरुआत तब हुई जब तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने इसे लेकर बयान दिया। उन्होंने दूसरी पारी में लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम की खराब शुरुआत पर तीखी टिप्पणी की थी। हेजलवुड ने अगले दिन की योजना के बारे में पूछे जाने पर कहा था, आपको यह सवाल बल्लेबाजों से पूछना चाहिए। मैं अब आराम करने की कोशिश करूंगा और अब मेरा पूरा ध्यान अगले टेस्ट मैच पर होगा।

मैच के बाद कमिंस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में टीम में दरार के बारे में पूछा गया, इस पर कमिंस ने कहा, मुझे नहीं पता कि हेजलवुड ने क्या कहा, लेकिन नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। कई बार ऐसा हुआ है जब बल्लेबाजों ने हम गेंदबाजों को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाला है और हमने भी वैसा ही किया है। यह वास्तव में एकजुट इकाई है। मैंने जितनी भी टीमों के लिए खेला है यह उनमें से सबसे ज्यादा एकजुट इकाई है। हम एक साथ क्रिकेट खेलने का लुत्फ उठाते हैं। हमने पिछले कुछ वर्षों में काफी उतार–चढाव देखे हैं। हमारी टीम के मुख्य खिलाड़ी वहीं है, ऐसे में कोई समस्या नहीं है। हर कोई एक–दूसरे के साथ सहज है। सबकुछ ठीक है।

कमिंस ने माना कि भारत ने हर विभाग में उनकी टीम से बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने वादा किया कि टीम एडीलेड टेस्ट में दमदार वापसी करेगी। इससे पहले कमेंट्री के दौरान पूर्व दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने टीम में गेंदबाजों और बल्लेबाजों के बीच दरार को लेकर बातचीत की थी।

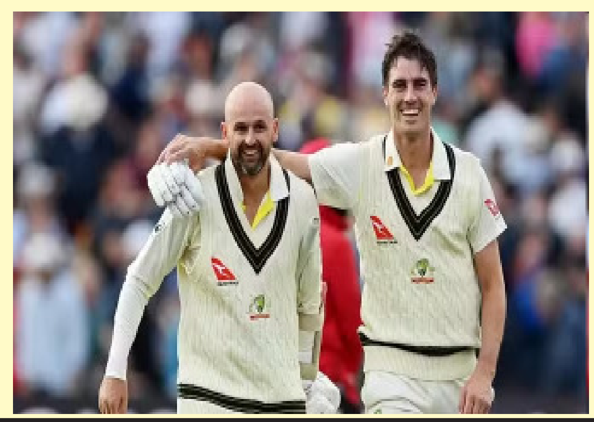

## इन खिलाड़ियों को नहीं मिले खरीददार

आईपीएल 2025 के लिए रविवार और सोमवार का दिन बेहद अहम रहा। इस दौरान कई खिलाड़ियों की किस्मत का फैसला हुआ। सऊदी अरब के जेद्दा में हुए इस नीलामी में कई अनकैप्ड खिलाड़ी करोड़पति बने तो कई दिग्गज बिना खरीददार के अनसोल्ड रहे।

बडे नामों में डेविड वॉर्नर, पृथ्वी शॉ, देवदत्त पडिक्कल, स्टीव स्मिथ, केन विलियमसन, जॉनी बेयरस्टो, पथुम निसांका, सिकंदर रजा, मुजीब उर रहमान, शार्दुल ठाकुर, डेरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स जैसे खिलाड़ियों को खरीददार नहीं मिले।

## मैं खुद को मुश्किल परिस्थितियों में रखना चाहता हूं - बुमराह

जसप्रीत बुमराह ने सोमवार को कहा कि उन्हें कप्तान और गेंदबाज के रूप में कठिन परिस्थितियों में दबाव झेलने में मजा आता है और इससे टीम के कम अनुभवी खिलाड़ियों का काम काफी आसान हो जाता है। बुमराह ने पर्थ टेस्ट मैच में आठ विकेट लेकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। वह इस मैच के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज साबित हुए।

भारत ने इस मैच में ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से करारी शिकस्त दी। बुमराह ने यहां मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जब परिस्थितियां मुश्किल होती है तो मैं इस बारे में सोचता हूं कि मैं किस तरह से योगदान दे सकता हूं। यह तब भी होता है जब मैं टीम का नेतृत्व नहीं कर रहा होता हूं। ऐसे में जब भी मुश्किल परिस्थिति आती है तो मैं उसका जवाब ढूंढने की कोशिश करता हूं। मैं खुद को मुश्किल परिस्थितियों में रखकर सहज रहता हूं।''

हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी जैसे युवा खिलाड़ियों में भी बुमराह की इस सोच का प्रभाव दिखा और पदार्पण करने वाले ये इन दोनों युवा ने यहां के ऑप्टस स्टेडियम में अहम मौके पर शानदार योगदान दिये।

बुमराह ने कहा, '' मैं खुद को उस कठिन परिस्थिति में डालने की कोशिश कर रहा था ताकि नये खिलाडियों का काम आसान हो सके। आप जानते हैं अपने शुरुआती मैचों अधिक जिम्मेदारी लेना बहुत आसान नहीं है।''

उन्होंने कहा, '' मैं मैच में उनसे दबाव कम करने की कोशिश कर रहा था और मुझे खुशी है कि उनका रवैया सकारात्मक रहा।'' इस ऐतिहासिक जीत के बावजूद बुमराह एडिलेड टेस्ट में टीम का नेतृत्व नहीं करेंगे क्योंकि नियमित कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया पहुंच गये है। बुमराह से जब कप्तान छोड़ने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने चुटिले अंदाज में कहा, ''मैं उन्हें बताऊंगा कि मैं आसानी से इसे छोड़ने वाला नहीं हूं।''

इस 30 साल के खिलाड़ी ने कहा, '' मैं ने इस मसले पर पहले भी कहा है कि वह (रोहित) शानदार कप्तान है और उनका काम शानदार रहा है। मैं बस उनकी जगह की भरपाई कर रहा था।'' बुमराह ने कहा, '' जब वह भारत में थे तो चर्चा हुई थी। हम ने टीम को लेकर काफी बातचीत की है। मैं उसकी हर संभव मदद करने के लिए तैयार हूं।

## गिलक्रिस्ट ने पहले टेस्ट में भारत के खिलाफ नकारात्मक रणनीति के लिए ऑस्ट्रेलिया की आलोचना

महान विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने रविवार को पहले टेस्ट के तीसरे दिन भारत के खिलाफ नकारात्मक रणनीति अपनाने के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की आलोचना की।

यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली के शतकों के बाद भारत ने दूसरी पारी छह विकेट पर 487 रन पर घोषित कर ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए 534 रन का असंभव लक्ष्य दिया। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य गेंदबाज पूरी तरह से अप्रभावी रहे और कप्तान पैट कमिंस का भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने के लिए मार्नस लाबुशेन पर निर्भर रहने का फैसला आलोचनाओं के घेरे में आ गया।

गिलक्रिस्ट और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन दोनों ने ही लाबुशेन की नकारात्मक रणनीति पर चिंता व्यक्त की। गिलक्रिस्ट ने सवाल करते हुए, ''क्या आपने कभी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों की इतनी निराश टीम को ऐसी रणनीति अपनाते देखा है? नियमों की किताब के अनुसार नकारात्मक रणनीति क्या होती है? ''

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा कि उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम द्वारा ऐसा दृष्टिकोण कभी नहीं देखा। वॉन ने 'फॉक्स क्रिकेट' पर कहा, ''मैंने ऑस्ट्रेलियाई टीम को इस तरह कभी नहीं देखा है। '' खेल प्रेमियों ने भी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के प्रदर्शन और उनकी रणनीति पर सोशल मीडिया में निराशा व्यक्त की।

## भारतीय महिला हाकी टीम की प्रत्येक सदस्य को 10 लाख रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा

पटना । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारतीय महिला हॉकी टीम को एशियाई चौंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) जीतने पर बधाई दी और टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को 10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार भारतीय महिला हॉकी टीम की सभी खिलाड़ियों और मुख्य कोच को 10–10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार मिलेगा जबकि सहयोगी स्टाफ को पांच–पांच लाख रुपये मिलेंगे। भारतीय महिला हॉकी टीम ने बुधवार को राजगीर में फाइनल में मौजूदा ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को 1–0 से हराकर एशियाई चौंपियंस ट्रॉफी जीती।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया, ''मुख्यमंत्री ने भारतीय टीम के खेल की सराहना की, विशेषकर चीन के साथ फाइनल मैच के दौरान। यह बिहार में भारतीय महिला हॉकी टीम की ऐतिहासिक जीत है जहां पहली बार इस तरह का टूर्नामेंट आयोजित किया गया। इसने हर भारतीय के दिल को गर्व से भर दिया है। टीम की सभी खिलाड़ियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया और बहुत अनुशासित तरीके से खेला।''

बयान में मुख्यमंत्री के हवाले से कहा गया, ''यह जीत सभी भारतीयों के लिए गर्व और गौरव की बात है। सभी टीम सदस्यों को मेरी हार्दिक बधाई।'' बाद में मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ''राज्य सरकार विजेता टीम की सभी सदस्यों और मुख्य कोच को 10–10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देगी। टीम के सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को भी पांच–पांच लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। भारतीय महिला टीम को भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं।

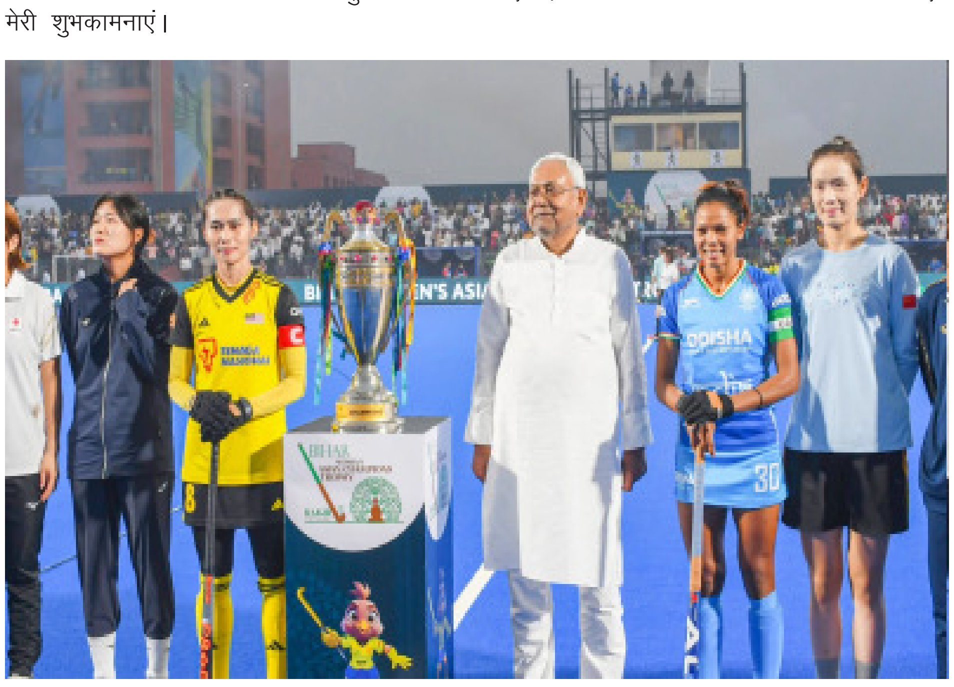

## 2025 में भारत आएंगे फुटबॉल स्टार लियोनल मेसी

भारत के फुटबॉल फैंस के लिए बड़ी खबर है, दरअसल अर्जेंटीना और दुनिया का स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी भारत आने वाले हैं। वर्ल्ड चौंपियन कप्तान किसी इवेंट के लिए नहीं बल्कि फुटबॉल मैच खेलने आ रहा है। भारतीय फैंस को अफने इस चहेते फुटबॉलर को लाइव देखने का मौका मिलेगा। मेसी 11 साल बाद भारत आएंगे।

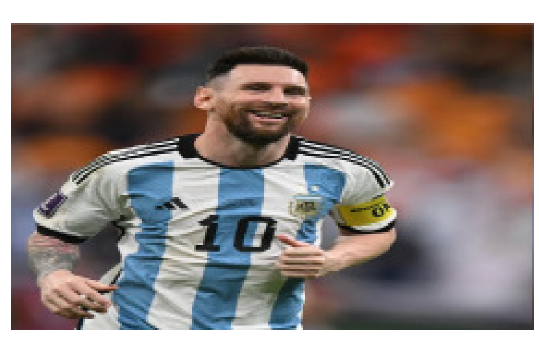

बता दें कि, अर्जेंटीना मौजूदा वर्ल्ड चौंपियन है। वर्ल्ड कप में टूर्नामेंट के कप्तान लियोनेल मेसी थे। मेसी अब अपनी टीम के साथ भारत आएंगे और केरल में अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल मैच खेलेंगे। मेसी इससे पहले 2011 में भी भारत आ चुके हैं। उस दौरान अर्जेंटीना ने कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में एक अंतर्राष्ट्रीय मैत्री मैच में वेनेजुएला का सामना किया था, हालांकि इस मैच में कोई गोल नहीं हुआ।

वहीं केरल के खेल मंत्री वी अब्दुलराहिमान ने बुधवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस इसका ऐलान किया। उन्होंने बताया कि ये मैच केरला सरकार के सुपरविशन में ही खेला जाएगा। अब्दुलरहिमान ने कहा कि, इस हाई प्रोफाइल फुटबॉल इवेंट का सारा खर्चा राज्य सरकार उठाएगी।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 27 नवंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com


# कैसे टूटी अर्जुन रामपाल की शाहरुख-रितिक से दोस्ती

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता अर्जुन रामपाल को उनके लुक और अभिनय क्षमता के लिए पसंद किया जाता है। उन्होंने रा वन, राजनीति आदि कई फिल्मों में काफी अच्छा काम किया है। अर्जुन ने बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ ओम शांति ओम और रा वन जैसी फिल्मों में काम किया है। दोनों के बीच काफी अच्छी दोस्ती भी थी, लेकिन बाद में इस दोस्ती को किसी की नजर लग गई। साल 2012 के दौरान दोनों के बीच मतभेद को लेकर सारे रिपोर्ट सामने आए, जिनमें कई अलग-अलग कारणों का जिक्र करते हुए दोनों के रिश्ते में दरार पड़ने की बात कही गई।

अर्जुन रामपाल के किस्से बॉलीवुड की गलियारों में काफी चर्चित रही है। ऋतिक रौशन की पत्नी सुजैन से लेकर शाहरुख खान की पत्नी गौरी की तरफ से आयोजित होने वाली पार्टियों की वीआईपी लिस्ट में वह अक्सर शामिल रहे हैं। ये वो दौर था, जब शाहरुख खान की नजर अर्जुन रामपाल पर पड़ी। उस वक्त कोरियोग्राफर फराह खान बतौर निर्देशक अपनी दूसरी फिल्म ओम शांति ओम बनाने जा रही थीं। इसमें उनके खास दोस्त शाहरुख खान भी उनका साथ दे रहे थे। फिल्म में पहले केके मेनन, अर्जुन वाला किरदार निभाने वाले थे, लेकिन शाहरुख को संदेह था कि वो इस किरदार में फिट नहीं लगेंगे, खासकर जब उन्हें दीपिका के ग्लैमरस पति के रूप में दिखाया जाएगा। इसके बाद फिल्म की यूनिट के बीच एक सर्वे किया गया और ये बात निकल कर आई कि केके ग्लैमरस नहीं लगते हैं। इसके बाद फिल्म में अर्जुन रामपाल की एंट्री हुई, क्योंकि तब तक उनके और शाहरुख के बीच संबंध काफी मधुर थे।

फिल्मी बीट में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख खान और अर्जुन रामपाल की दोस्ती टूटने की एक वजह प्रियंका चोपड़ा भी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2011 में डॉन 2 की शूटिंग के दौरान शाहरुख और प्रियंका की नजदीकियां काफी ज्यादा बढ़ने लगी थीं, जिससे उनकी पत्नी गौरी खान काफी ज्यादा परेशान थीं। इस परेशानी को उन्होंने अर्जुन रामपाल की तत्कालीन पत्नी मेहर से साझा किया, जिसके बाद अर्जुन को कहा गया कि वो अपने दोस्त को समझाएं। इसके बाद अर्जुन ने शाहरुख को समझाने की कोशिश की और कहा कि वो प्रियंका से दूरी बना लें, क्योंकि ये उनकी पत्नी गौरी को पसंद नहीं आ रहा है। इस पर शाहरुख उन पर गुस्सा हो गए और इसके बाद से दोनों के बीच दूरियां बढ़ने लगीं। हालांकि, इसके बाद भी दोनों ने रा वन में साथ काम किया, लेकिन उनकी गलतफहमियां कम नहीं हुईं। फिल्मी बीट के इस रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों के बीच मतभेद साल 2012 तक जारी रहा, जब अर्जुन के जन्मदिन के लिए आमंत्रित मेहमानों की सूची में शाहरुख खान का नाम नहीं दिखा। इस खबर ने तब काफी ज्यादा चर्चा बटोरी थी, क्योंकि शाहरुख की पत्नी गौरी खान इस पार्टी के लिए मुख्य मेहमानों में शामिल थीं।

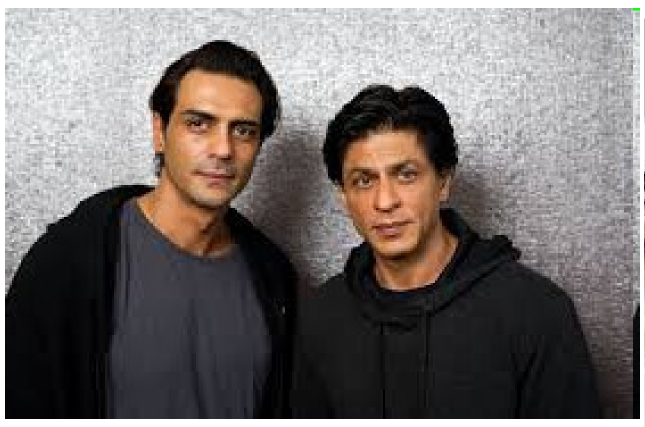

हालांकि, बीते कुछ समय में अर्जुन और शाहरुख के बीच की बर्फ पिघलती हुई नजर आई है। अर्जुन ने कई मौकों पर शाहरुख खान के व्यक्तित्व की तारीफ की है।

इस साल जुलाई में प्रकाशित अग्निबाण की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अर्जुन ने शाहरुख खान की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शिता काफी कमाल की है। उनसे हर तरह के गुण सीखे जा सकते हैं। इस दौरान अर्जुन ने शाहरुख के व्यवहार और उनकी अच्छी आदतों का भी जिक्र किया। अर्जुन रामपाल ने एक बार शाहरुख खान के साथ अपनी पहली मुलाकात जिक्र करते हुए बताया था कि वह किंग अभिनेता से कैसे मिले थे। अर्जुन ने कहा था कि वह शाहरुख से उनकी पूर्व पत्नी और मॉडल मेहर जेसिया के माध्यम से मिले थे। उस वक्त मेहर और गौरी खान काफी अच्छे दोस्त थे। इस वजह से दोनों कलाकार एक कॉमन जगह पर टकराए थे और एक दूसरे को बधाई दी थी।

अर्जुन रामपाल की दोस्ती बॉलीवुड में काफी ज्यादा रही है। खासकर बॉलीवुड सितारो की पत्नियों के साथ उनकी दोस्ती ने काफी चर्चा बटोरी है। इस क्रम में अर्जुन की ऋतिक रोशन की पत्नी सुजैन से भी काफी अच्छी दोस्ती थी। कुछ रिपोर्ट में बताया गया है कि सुजैन और ऋतिक का रिश्ता टूटने की एक वजह अर्जुन भी थे। इस कपल ने साल 2014 में अलग होने का फैसला किया था। इसके अलावा कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि सुजैन के साथ अर्जुन की नजदीकियों की वजह से ही अर्जुन और उनकी पत्नी मेहर जेसिया का रिश्ता भी साल 2018 में टूट गया और दोनों ने तलाक ले लिया। इसके बाद अर्जुन का नाम सुजैन के साथ जुड़ने लगा कि दोनो शादी कर सकते हैं, लेकिन बाद में अर्जुन ने इसका खंडन किया था। फिलहाल अर्जुन अपनी गर्लफ्रेंड गैब्रिएला डिमेट्रेड्स के साथ लिव इन में रहते हैं और दोनों हाल में ही एक बच्चे के माता-पिता बने हैं।

# पिता की सलाह पर बदल गई अभिषेक की जिंदगी

अभिषेक बच्चन की हालिया रिलीज फिल्म श्आई वांट टू टॉकश बॉक्स ऑफिस पर मनचाही सफलता हासिल नहीं कर पाई। लेकिन वह इस बात से निराश नहीं हैं, क्योंकि सालों पहले पिता अमिताभ ने उन्हें करियर को लेकर एक कीमती सलाह दी थी। जो आज भी उनको हौंसला देती है।

अभिषेक बच्चन की फिल्म श्आई वांट टू टॉकश एक बीमारी व्यक्ति के जीवन को दिखाती है। साथ ही इसमें पिता और बेटी की रिश्ते को भी बड़ी खूबसूरती से दिखाया गया है। असल जिंदगी में भी अभिषेक और उनके पिता का रिश्ता बहुत ही अलग तरह का है। अमिताभ एक दोस्त की तरह अपने बेटे अभिषेक को जिंदगी और करियर को लेकर सलाह देते हैं। जब अभिषेक के शुरुआती करियर में मुश्किल दौर चल रहा था, तब भी अमिताभ की सलाह ने उनका हौंसला बढ़ाया।

अभिषेक ने एक इंटरव्यू में अपने करियर के मुश्किल दौर के बारे में बताया। वह कहते हैं, ' क्रिटिक्स मेरे हर तरह के काम की आलोचना कर रहे थे, क्योंकि उस समय मेरी कई फिल्में नहीं चल रही थी। तब मैं अपने पिता के पास गया और उनसे कहा कि मुझे लगता है कि मैंने बड़ी गलती की है। शायद मैं अभिनेता बनने के लिए नहीं बना हूं। ऐसे में मेरे पिता ने कहा कि मैं खुद के लिए ईमानदार रहूं। साथ ही उन्होंने कहा कि अपनी कला को निखारने का एक ही तरीका है कि आप काम करते रहो। उन्होंने कहा कि जो भी फिल्में मिलें, उन्हें साइन कीजिए और काम करते रहिए।' यह सलाह आगे चलकर अभिषेक के काम आई और कई फिल्मों में उनके काम को दर्शकों से लेकर आलोचकों तक ने सराहा।

हाल ही में अभिषेक ने अपनी पत्नी ऐश्वर्या को लेकर भी एक बयान दिया है। जिसमें वह उनको शुक्रिया कह रहे हैं। अभिषेक कहते हैं, श्मैं लकी हूं कि बाहर जाकर फिल्में बनाने का मौका मिलता है क्योंकि मुझे पता है कि ऐश्वर्या, आराध्या के साथ घर पर हैं।

मैं इसके लिए उनका बहुत-बहुत शुक्रिया अदा करता हूं।श अभिषेक के इस बयान के बाद से उनके और ऐश्वर्या के अलगाव की खबरों पर भी विराम लगता नजर आ रहा है। फिल्म 'आई वांट टू टॉक' की असफलता से अभिषेक निराश नहीं है। वह आगे भी फिल्में कर रहे हैं। अगले साल वह दर्शकों को कॉमेडी करते हुए नजर आएंगे। अभिषेक फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आने वाले हैं।

# भेड़िया के 2 साल पूरे होने का मनाया जश्न,कृति ने साझा किया वीडियो

कृति सेनन और वरुण धवन की थ्रिलर फिल्म भेड़िया 2 की रिलीज के दो साल पूरे होने पर कृति ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक दिल को छू लेने वाला वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने हॉरर-कॉमेडी के निर्माण और उससे जुड़ी यादों को साझा किया है।

कृति सेनन और वरुण धवन स्टारर भेड़िया सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली फिल्मों में से एक है और इस हॉरर कॉमेडी ने हाल ही में दो साल पूरे किए हैं। कृति ने सोशल मीडिया पर दूसरी सालगिरह का जश्न मनाया। कृति ने अपने इंस्टाग्राम पर एक दिल को छू लेने वाला वीडियो शेयर किया, जिसमें हॉरर-कॉमेडी के सेट की यादों को साझा किया।

कृति ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर वीडियो शेयर किया है, जिसमें बीटीएस पलों और बेहद ही प्यारे सींस को उन्होंने पोस्ट किया है। कृति ने इन खास पलों को साझा करने के साथ ही कैप्शन में लिखा, ष्इस खास फिल्म के 2 साल। मेरे कुछ पसंदीदा लोगों के साथ एक सुपर स्पेशल किरदार! मैं आप लोगों को बहुत-बहुत बधाई देती हूं!!ष वरुण धवन ने भी प्रतिक्रिया दी और दिल वाले इमोजी के साथ एक जैसा वीडियो शेयर किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ समय पहले कृति ने एक इंटरव्यू में वरुण धवन को अपना सबसे करीबी दोस्त बताया था। कृति ने वरुण के साथ अपने रिश्ते के बारे में कहा कि वरुण ही एक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने उनके सबसे बुरे दौर में लगातार उनका हालचाल पूछा। उन्होंने एक पल को भी याद किया जब वरुण ने उन्हें मिमी के लिए फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने पर गर्मजोशी से गले लगाया था। कृति ने कहा कि पुरस्कार जीतने के बाद वरुण ने`कहा था, ष्मुझे तुम पर गर्व है।ष

काम की बात करें तो वरुण धवन अगली बार बेबी जॉन में नजर आएंगे। बेबी जॉन फिल्म का पहला गाना श्नैन मटक्काश रिलीज हो चुका है, जिसने प्रशंसकों के बीच फिल्म को लेकर और अधिक उत्साह बढ़ा दिया है। वरुण धवन और कीर्ति सुरेश ने कल शेयर किए गए गाने के टीजर में अपने सिजलिंग डांस मूव्स से प्रशंसकों को इस गाने के लिए उत्साहित कर दिया है।

अब, नैन मटक्का का पूरा म्यूजिक वीडियो आखिरकार रिलीज हो गया है। वैश्विक सनसनी दिलजीत दोसांझ और दीक्षिता वेंकडेसन का यह अपबीट ट्रैक इस सीजन के लिए एकदम सही है। एस. थमन के इस म्यूजिकल को इरशाद कामिल ने लिखा है। यह गाना प्रशंसकों को बेहद पसंद आ रहा है। मुराद खेतानी, प्रिया एटली और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित श्नैन मटक्काश नए साल के अवसर पर बेस्ट चार्टबस्टर सॉन्ग में शामिल हो सकता है। फिल्म में वरुण धवन और कीर्ति सुरेश के अलावा जैकी श्रॉफ और वामिका गब्बी भी नजर आएंगी। यह पहली बार है कि जब किसी फिल्म में वरुण और कृति की जोड़ी एक साथ नजर आएगी। बेबी जॉन की रिलीज का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

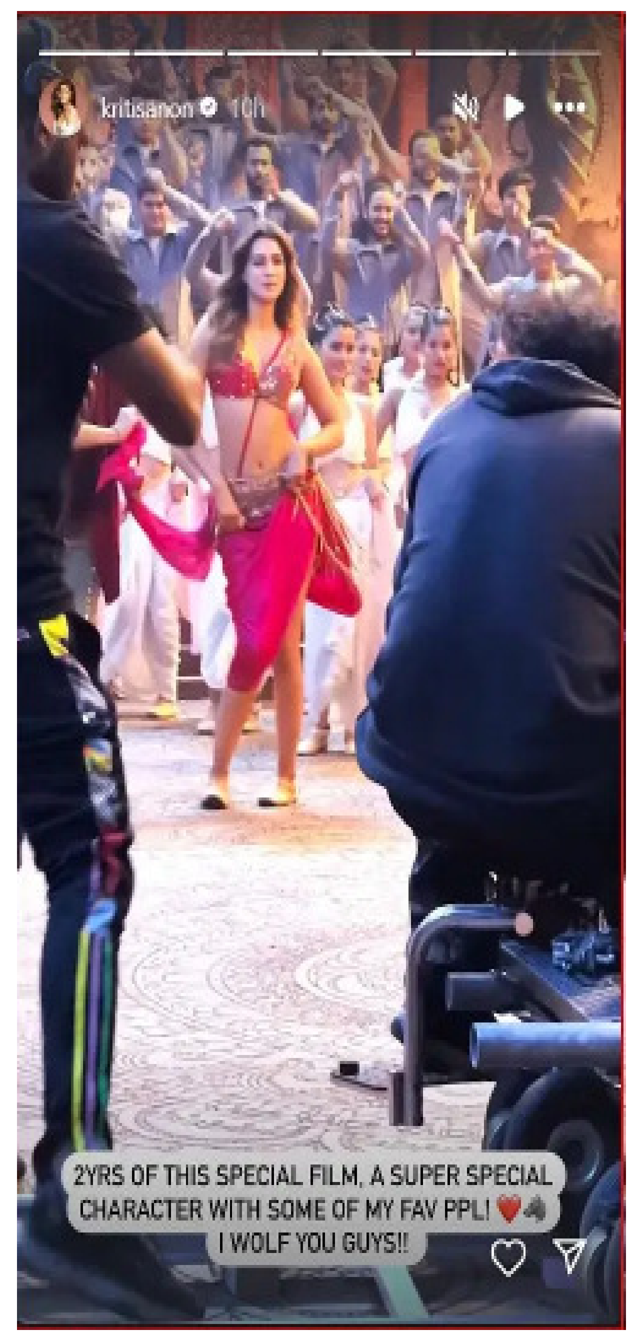


# निर्देशक राम गोपाल वर्मा पर मंडराया गिरफ्तारी का खतरा

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, उनके परिवार के सदस्यों और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित तौर पर अपमानजनक पोस्ट करने के बाद फिल्म निर्माता राम गोपाल कानूनी मुसीबत में फंस गए हैं।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, उनके परिवार के सदस्यों और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित तौर पर अपमानजनक पोस्ट करने के बाद फिल्म निर्माता राम गोपाल कानूनी मुसीबत में फंस गए हैं।

सोमवार, 25 नवंबर को मामले में अपना बयान दर्ज कराने के लिए निर्देशक पुलिस के सामने पेश नहीं हुए, जिसके चलते पुलिस हैदराबाद में उनके आवास पर पहुंची। सूत्रों ने इंडिया टुडे को बताया कि वर्मा को इस मामले में गिरफ्तारी का सामना करना पड़ रहा है और पुलिस सोमवार को उन्हें उनके घर पर नहीं पा सकी।

वर्मा के आवास से ओंगोल पुलिस टीम की कुछ तस्वीरें वायरल हुईं। सूत्रों ने हमें यह भी बताया कि यह दूसरी बार है जब 62 वर्षीय वर्मा मामले में जांच अधिकारी के सामने पेश होने में विफल रहे। मद्दीपाडु पुलिस ने 11 नवंबर को वर्मा के खिलाफ बीएनएस अधिनियम की कई धाराओं, जिसमें धारा 336 (4) और 353 (2) और आईटी अधिनियम की धारा 67 के तहत मामला दर्ज किया। यह मामला तब दर्ज किया गया जब स्थानीय तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेता रामलिंगम ने फिल्म निर्माता के खिलाफ शिकायत की कि पिछले साल वर्मा की फिल्म व्यूहम के प्रचार के दौरान सीएम नायडू, डिप्टी सीएम कल्याण, आईटी मंत्री नारा लोकेश और अन्य की प्रतिष्ठा को कथित तौर पर धूमिल किया गया। ारजीवी, जैसा कि उन्हें लोकप्रिय रूप से जाना जाता है, कथित तौर पर जानते हैं कि उन्हें गिरफ्तारी का खतरा है। उनके वकील ने पहले अदालत को इस बारे में बताया था जब न्यायाधीश ने कहा था कि याचिकाकर्ता को जमानत याचिका दायर करनी चाहिए। फिल्म निर्माता को 13 नवंबर को कानूनी नोटिस भी दिया गया था, जिसमें उन्हें मामले में पुलिस के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया था।

# अलगाव की खबरों के बीच ऐश्वर्या ने कहा-अपने मूल्यों से समझौता न करें

पिछले कुछ समय से अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय के अलगाव की खबर सुनने को मिल रही है। उनके अगले होने की अटकलें लगाई जा रही है। इसी बीच अब ऐश्वर्या ने एक ऐसा बयान दिया है जिससे लगता है कि वह ऐसी बातें करने वालों को तगड़ा जवाब दे रही हैं।

हाल ही में एक इंवेट में शामिल हुई ऐश्वर्या राय बच्चन ने एक बयान दिया है। जिसमें वह अपने मूल्यों से समझौता न करने की बात कर रही हैं। दरअसल, पिछले कुछ समय से ऐश्वर्या और अभिषेक के अलगाव को लेकर तरह तरह की बातें की जा रही हैं। सोशल मीडिया पर कभी अभिषेक को निशाना बनाया जा रहा है तो कभी ऐश्वर्या के बारे में भी काफी कुछ कहा जा रहा है। ऐसे में अब ऐश्वर्या ने इस स्ट्रीट हरासमेंट को लेकर अपनी राय रखी है।

ऐश्वर्या स्ट्रीट हरासमेंट के बारे में बात करती हैं और उससे निपटने का तरीका भी बताती हैं। वह कहती हैं, ' स्ट्रीट हरासमेंट से आप कैसे निपटते हैं? उन लोगों से आंखें नहीं मिलते हैं। नहीं ऐसा बिल्कुल ना करें। आप उस समस्या का सीधा सामना करें। हरासमेंट करने वाले व्यक्ति की आंखों में देखें और अपना सिर ऊंचा करके रखें। यह असल नारीवाद है। अपने मूल्यों से कभी समझौता ना करें। खुद पर कभी भी शक ना करें। अपने मूल्यों पर खड़े रहें। अपने पहनावे को इस हरासमेंट के लिए दोष ना दें। स्ट्रीट हरासमेंट की जिम्मेदार आप नहीं है, इसमें आपकी कोई गलती नहीं है।'

अभिषेक बच्चन ने भी हाल ही में ऐश्वर्या को सराहा है। उन्होंने कहा कि वह फिल्में इसलिए कर पाते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि ऐश्वर्या घर पर बेटी आराध्या की देखभाल अच्छे से कर रही हैं। इस बयान के बाद से अभिषेक और ऐश्वर्या के बीच के मनमुटाव और अलगाव की खबरों पर अब सवाल खड़ा हो गया है। ऐसा लगता है कि ये सिर्फ अफवाहें थीं या फिर अब इनके बीच सबकुछ ठीक हो गया है।

ऐश्वर्या की फिल्म करियर की बात करें तो वह दो साल पहले फिल्म 'पोन्नियिन सेल्वन' में नजर आईं। इसके बाद उन्होंने कोई फिल्म नहीं की है। लेकिन वह बॉलीवुड से जुड़े कई बड़े इंवेट्स में नजर आती हैं।

# शादी से पहले नागा चौतन्य-सोभिता धुलिपाला की नई तस्वीरें वायरल

नागा चौतन्य जल्द ही शोभिता धुलिपाला के साथ सात फेरे लेने वाले हैं। नागा और शोभिता की नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। यह जोड़ा अपनी सगाई के बाद इस साल अगस्त से ही अपनी शादी की तैयारी कर रहा है और सुर्खियों में बना हुआ है। हालांकि यह जोड़ा अपने रिश्ते के बारे में निजी तौर पर बात करता रहा है, लेकिन इन नई तस्वीरों ने उनके रिश्ते की झलक दिखाई है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही इन तस्वीरों में नागा चौतन्य और शोभिता, सुशांत अनुमोलू और उनके परिवार के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। सुशांत द्वारा चौतन्य के जन्मदिन के अवसर पर शेयर की गई इन तस्वीरों में जल्द ही शादी करने वाले इस जोड़े को फोटो के लिए पोज देते हुए एक-दूसरे को करीब से पकड़े हुए दिखाया गया है। यह स्पष्ट नहीं है कि यह जोड़ा सुशांत से चौतन्य के जन्मदिन पर मिला था या तस्वीरें पहले ली गई थीं।

हाल ही में एक इंटरव्यू में सामंथा ने पहली बार अपने तलाक के विषय पर खुलकर बात की। सामंथा ने कहा था, ष्दुर्भाग्य से, हम एक ऐसे समाज में रहते हैं, जब भी कुछ गलत होता है, तो एक महिला को... मैं यह नहीं कह रही कि पुरुष ऐसा नहीं करते, पुरुष करते हैं, लेकिन एक महिला को बहुत अधिक आलोचना और बहुत अधिक शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है, ना केवल ऑनलाइन, बल्कि वास्तविक जीवन में भी।ष आगे सामंथा ने कहा, ष्मेरे बारे में कई ऐसी बातें कही गईं जो बिल्कुल झूठ थीं। लेकिन मुझे क्या रोके रखा, मुझे याद है कि जब चीजें वाकई बहुत खराब थीं।ष

हालांकि, सामंथा ने अभी तक नागा चौतन्य की दूसरी शादी पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है,लेकिन सामंथा के प्रशंसक नागा की इस तस्वीर को देखकर ज्यादा खुश नहीं हैं। नागा चौतन्य 4 दिसंबर को शोभिता से शादी करेंगे। उनकी और सामंथा की शादी को करीब चार साल हो चुके हैं। उन्होंने अक्टूबर 2021 में अलग होने की घोषणा की थी।

# संभल हिंसा – दीवारों पर गोलियों के निशान दे रहे हिंसा की गवाही

संभल संवाददाता।

संभल में जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर रविवार को करीब पांच घंटे के बवाल के दूसरे दिन दहशत के बीच लोगों में गम, गुस्सा और बेबसी नजर आई। जामा मस्जिद से नखासा और हिंदूपुरा खेड़ा तक सन्नाटा पसरा रहा। चौक–चौराहों पर अधिकतर पुलिसकर्मी ही दिखे। इन सबके बीच कहीं गोली के निशान तो कहीं राख से काली हुई सड़कें और दीवारें बवाल की कहानी बयां कर रही थीं। जान गंवाने वालों के परिजन व आम लोग भी सीधे तौर पर कुछ भी कहने से बचते रहे। बवाल वाले क्षेत्रों से सैकड़ों लोग घरों पर ताला लगाकर अपने रिश्तेदारों के घर चले गए।

संभल की जामा मस्जिद से करीब आठ सौ मीटर की दूरी पर मोहल्ला कोट गर्वी तबेला में मिले इरशाद बेबस नजर आए। बवाल पर सवाल किया तो कुछ देर तक खामोश रहे, लेकिन बाद में इशारा करते हुए तिराहे पर ले गए। वहां निहाल के किराने की दुकान के शटर पर लगी गोली के निशान को हाथ उठाकर दिखाया।

वहीं रोडवेज में कंडक्टर रिजवान के मकान के बाहर की खिड़की के टूटे शीशे की ओर भी इशारा करते हुए कहा कि इसे भी देखिए। इसके बाद कुछ कहने की जरूरत नहीं है। बवाल में मेरे भांजे नईम की मौत हो गई। उसके चार बच्चे हैं। रविवार की सुबह हंसते मुस्कुराते अपनी मिठाई की दुकान पर गया था। शाम को कफन में लिपटा घर लौटा।

सरायतरीन के झालीजामन वाली गली में युवाओं की भीड़ दिखी। सभी के चेहरे पर गम और गुस्सा साफ झलक रहा था। युवाओं की भीड़ के बीच यही सवाल उठ रहे थे कि मोहल्ले के मोहम्मद बिलाल को क्यों मार दिया गया। उसका क्या कसूर था। इनके बीच खड़े बिलाल के भाई अलीम ने बेबसी के साथ कहा कि हमें इंसाफ चाहिए।

मोहल्ला तुर्तीपुरा की संकरी गली के मोड़ पर अजान लोगों की एंट्री होने पर महिलाएं घरों की खिड़कियों से झांकने लगीं। जान गंवाने वाले कैफ के मामा घर के बाहर खड़े मिले। उन्होंने बताया कि जामा मस्जिद के पास कैफ को उसकी मौत खींच ले गई। पोस्टमार्टम कराने के समय पुलिस ने उसकी मौत की सूचना दी। कुछ ऐसी ही गम, गुस्सा और बेबसी की तस्वीर आम लोगों के बीच से भी उभरकर सामने आई।

संभल में हुए बवाल के दौरान उपद्रवियों ने जिस तरह दुकानों के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों को तोड़ा, उससे उनकी मंशा पर सवाल उठा रहे हैं। मोहल्ला कोट पूर्वी में सोमवार को जब स्थिति कुछ सामान्य हुई तो अपनी दुकानों की स्थिति का जायजा लेने दुकानदार भी पहुंच गए। दुकानदारों का कहना था कि उपद्रवियों ने सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए ताकि उनका उपद्रव सामने न आ सके। दुकानदारों ने कहा कि रविवार को बवाल होने के कारण दुकानें नहीं खोली थीं। रात में कार घर के बाहर खड़ी छोड़ दी थी, सुबह बवाल में वह आग के हवाले हो गई।

सोमवार सुबह जब नगर पालिका की टीम ने जामा मस्जिद के आसपास सफाई की तो ट्रॉली भरकर पत्थर व चप्पलें हटाई गई। स्थानीय निवासी अनवर की कार का शीशा भी पत्थरबाजी से बुरी तरह चटक गया। लोगों का कहना था कि किसी को आशंका नहीं थी कि ऐसा उपद्रव होगा। जामा मस्जिद के आसपास 500–700 मीटर की परिधि में सड़कों, घरों की दीवारों पर हिंसा की कई निशानियां हैं।

रविवार को पथराव के बाद जामा मस्जिद के आसपास की सड़कें ईंट–पत्थर से भर गई थीं। सोमवार को भी नगर पालिका परिषद के कर्मचारी ईंट–पत्थर के साथ चप्पल–जूते ट्रॉलियों में भरते नजर आए। इसके अलावा जामा मस्जिद के पास पहले से रखी गई ईंटों को भी ट्रैक्टर ट्रॉली में भरकर वहां से हटा दिया गया।

संभल में बवाल के दूसरे दिन सोमवार को शांति के बीच पुलिस ने सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क, विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल समेत 2500 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। बर्क और सुहेल पर बलवा कराने की साजिश का आरोप है। वहीं तीन महिलाओं समेत 27 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं जामा मस्जिद के सदर जफर अली एडवोकेट को पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया। सीओ अनुज चौधरी, एसपी के पीआरओ संदीप कुमार, दरोगा दीपक राठी और शाह फैसल की तहरीर पर संभल कोतवाली में पांच और नखासा थाने में दो मुकदमे दर्ज किए गए। इसमें 2500 लोगों को आरोपी बनाया गया है।

उधर, गिरफ्तार तीन महिलाओं समेत 27 आरोपियों को लेकर मेडिकल परीक्षण कराने पुलिस संभल के सरकारी अस्पताल पहुंची। अस्पताल के बाहर लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद मुरादाबाद जेल भेज दिया। बवाल के दूसरे दिन प्रभावित मोहल्लों में सन्नाटा पसरा रहा। दिनभर पुलिस की गाड़ियां दौड़ती रहीं। पुलिस–प्रशासन के अधिकारी लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील करते रहे। उपद्रवियों की पहचान के लिए पुलिस सीसीटीवी फुटेज और ड्रोन से लिए गए फोटो व वीडियो खंगाल रही है।

बवाल में जान गंवाने वाले नईम, बिलाल और कैफ के शवों को पोस्टमार्टम के बाद रविवार देर शाम ही पुलिस ने अलग–अलग कब्रिस्तानों में सुपुर्द–ए–खाक करा दिया था। रोमान के परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम ही शव को दफन कर दिया। बता दें कि रविवार की सुबह कोर्ट कमिश्नर जामा मस्जिद का सर्वे करने के लिए पहुंचे तो मस्जिद के आसपास भीड़ एकत्र हो गई थी। सुबह करीब साढ़े आठ बजे पुलिस ने भीड़ को हटाने का प्रयास किया तो बवाल शुरू हो गया था। इसमें पांच लोगों की जान चली गई थी।

# डॉ. विशाखा का पार्थिव शरीर पहुंचा वृंदावन

मथुरा संवाददाता।

जगद्गुरु कृपालु महाराज की बड़ी बेटी और जगद्गुरु कृपालु परिषद की चेयरपर्सन डॉ. विशाखा त्रिपाठी का पार्थिव शरीर सोमवार को दिल्ली से वृंदावन लाया गया। उनके अंतिम दर्शन के लिए पार्थिव शरीर को जगद्गुरु धाम प्रेम भवन के हॉल में रखा गया है। यहां कृपालु महाराज और विशाखा के अनुयायी अंतिम दर्शन करेंगे। 28 नवंबर को वृंदावन में यमुना तट पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

डॉ. विशाखा त्रिपाठी (78) अपनी बहन श्यामा त्रिपाठी और कृष्णा त्रिपाठी, सचिव दीपक और अन्य 5 लोगों के साथ सिंगापुर जाने के लिए वृंदावन से रविवार सुबह कार से निकली थीं। वह जैसे ही नोएडा के दनकौर थाना क्षेत्र में पहुंचीं, तभी एक अनियंत्रित कैंटर ने टक्कर मार दी। हादसे में डॉक्टर विशाखा की मौत हो गई थी, जबकि उनकी दोनों बहन और अन्य लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए दिल्ली के अपोलो अस्पताल भेज दिया। वह रात ढाई बजे वृंदावन के प्रेम मंदिर से निकलीं थीं। हादसे की जानकारी मिलते ही ट्रस्ट से जुड़े लोग अपोलो अस्पताल पहुंच गए। जिसके बाद पोस्टमार्टम की प्रक्रिया की गई।

हालांकि उनका पार्थिव शरीर रविवार को ही वृंदावन लाया जाना था देर होने के बाद उनका पार्थिव शरीर सोमवार को दिल्ली से वृंदावन लाया गया। बड़ी दीदी के नाम से विख्यात डा. विशाखा का पार्थिव शरीर दोपहर करीब तीन बजे वृंदावन स्थित प्रेम मंदिर के पिछले भाग में स्थित सभागार में एंबुलेंस से गाड़ियों के काफिले के साथ पहुंचा जिसके बाद पार्थिव शरीर को अनुयायियों के दर्शन के लिए प्रेम मंदिर परिसर में स्थित आश्रम में रखा गया है। ट्रस्ट के प्रवक्ता अजय त्रिपाठी ने बताया कि यहां अगले दो दिन उनके अंतिम दर्शन होंगे।

डॉक्टर विशाखा त्रिपाठी के अंतिम दर्शनों के लिए बड़ी संख्या में उनके अनुयायियों के पहुंचने की संभावना है। इसके लिए प्रबंधन व्यवस्था करने में जुटा है। मंदिर परिसर स्थित बड़े हॉल में इंतजाम किए जा रहे हैं। अंतिम यात्रा 28 नवंबर को प्रेम मंदिर से शुरू होकर वृंदावन में यमुना तट पर पहुंचेगी। जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

# यमुना एक्सप्रेस-वे पर हादसा, डिवाइडर से टकराई कार

मथुरा संवाददाता।

मथुरा के बलदेव क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस–वे पर सुबह–सुबह भीषण हादसा हो गया। यहां कार के टायर फट गए, जिससे गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

यहां हुआ हादसा यमुना एक्सप्रेस–वे थाना बलदेव में माइलस्टोन–133 पर हादसा हुआ। आगरा से नोएडा जाते समय कार के टायर फट गए। इस वजह से कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में रौनक सलूजा (30) पुत्र अरुण सलूजा निवासी आगरा और विकास (28) निवासी आगरा की मौके पर मौत हो गई।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मृतकों की शिनाख्त के बाद परिजनों को सूचना दे दी। दोनों के शवों को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थानाध्यक्ष त्रिलोकी सिंह ने बताया आगरा से नोएडा जाते समय ये हादसा हुआ। परिजनों को सूचना दे दी गई है।

# डीजे बजाने को लेकर भिड़ गये बराती और घराती

मथुरा संवाददाता।

मथुरा के चौमुहां थाना जैंत क्षेत्र अंतर्गत डीजे पर गाने बजाने को लेकर लड़का पक्ष व लड़की पक्ष के लोगों में जमकर मारपीट हो गई। मारपीट में लड़की पक्ष के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को निजी अस्पताल इलाज के लिए भर्ती कराया। उनका इलाज चल रहा है।

थाना रिफाइनरी के गांव छायसे से चौमुहां निवासी राजकुमार की भतीजी की बरात आई थी। इसी दौरान लड़की पक्ष के घर पर लगे डीजे पर गाने बजाने को लेकर दोनों पक्षों के लोगों में झगड़ा होने लगा और मारपीट शुरू हो गई।

मारपीट में राजकुमार व उसके भाई के सिर में चोट आई। वहीं एक अन्य व्यक्ति के पैर में चोट है। थाना प्रभारी जैंत अश्वनी कुमार ने बताया घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया है।

पुलिस के मुताबिक तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। झगड़े में मुकेश पुत्र वीरेंद्र निवासी सिहाना, योगेश पुत्र गजेंद्र डीजे वाला, विनोद पुत्र कुंदन सिंह निवासी कुबेर थोक, राल घायल हुए हैं।

# रील का शौक पड़ा महंगारू विंडो सीट पर बैठकर बनाया वीडियो

ग्रेटर नोएढा।

दनकौर कोतवाली क्षेत्र स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी के बाहर एक युवक का ट्रैफिक नियमों की अनदेखी कर रील बनाने का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में युवक कार की विंडो सीट से बाहर झांकते हुए गाने पर रील बना रहा है।

इस दौरान आसपास से लोग और वाहन गुजरते नजर आ रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है और लोग इसे ट्रैफिक नियमों की अनदेखी और सार्वजनिक सुरक्षा के साथ खिलवाड़ मान रहे हैं। दनकौर पुलिस के साथ ट्रैफिक पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है। अधिकारियों ने कहा कि वायरल वीडियो की जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने पर युवक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे ऐसे जोखिम भरे कृत्यों से बचें और यातायात नियमों का पालन करें।

पुलिस ने कहा कि चलती कार से स्टंट और रील बनाने के मामले बढ़ोतरी हुई है। यह युवाओं में बढ़ते सोशल मीडिया के क्रेज और उससे जुड़े खतरों को उजागर करती है। इस तरह की रील बनाने की आदत आम होती जा रही हैं और यह न केवल खुद युवक के लिए, बल्कि अन्य राहगीरों के लिए भी खतरनाक साबित हो सकती हैं।

# खाद की कालाबाजारी और ओवररेटिंग पर सचिव निलंबित

मिर्जापुर।

खाद की कालाबाजारी और ओवररेटिंग के आरोप में बी. पैक्स भरपुरा के सचिव को सोमवार को जिलाधिकारी के निर्देश पर निलंबित कर दिया गया। सचिव के खिलाफ निलंबित की कार्रवाई से अन्य समितियों के सचिवों में खलबली मची हुई है।

पीसीएफ की तरफ से बी. पैक्स भरपुरा को सोमवार को 200 बोरी डीएपी एवं 250 बोरी यूरिया भेजी गई थी। बी. पैक्स भरपुरा के सचिव लोलारख नाथ मिश्रा द्वारा सोमवार को सुबह 6 बजे पहाड़ी ब्लॉक के सहकारी संघ लिमिटेड सिंधोरा के गोदाम में 200 बोरी डीएपी, 250 बोरी यूरिया उतरवाई गई थी। सहायक विकास अधिकारी सहकारिता पहाड़ी एवं बीडीओ के संयुक्त सत्यापन के दौरान बी. पैक्स भरपुरा समिति पर 25 बोरी डीएपी कम पाई गई। अधिकारियों ने बी.पैक्स भरपुरा एवं सहकारी संघ लिमिटेड सिंधोरा के गोदाम को सील कर दिया। जिलाधिकारी के निर्देश पर डीएपी की कालाबाजारी के आरोप में सचिव लोलारख नाथ मिश्रा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। एआर कोऑपरेटिव बिपिन कुमार सिंह ने बताया कि सहायक विकास अधिकारी सहकारिता दिनेश कुमार शर्मा को अगले आदेश तक बी. पैक्स भरपुरा समिति के सभी कार्यों को करने के लिए अधिकृत किया गया है। उन्होंने बताया कि अपर जिला सहकारी अधिकारी रणेंद्र नाथ द्विवेदी को जांच अधिकारी नियुक्त करते हुए दो दिन के अंदर रिपोर्ट मुख्यालय को सौंपने का का निर्देश दिया गया है।

# सीएमओ कार्यालय से संबंधित मामलों का निपटारा न होने पर मंडलायुक्त नाराज

मिर्जापुर। कार्यालय सभागार में सोमवार को आयोजित पेंशन अदालत में सीएमओ कार्यालय से संबंधित मामले लंबित होने पर विभागीय अधिकारियों से मंडलायुक्त डॉ.मुथु कुमार स्वामी बी ने कड़ी नाराजगी जताई। पेंशन अदालत में 37 मामले आए। इनमें से 15 का मौके पर ही निपटारा किया गया।

मंडलायुक्त सीएमओ कार्यालय से संबंधित पेंशन के मामले में लंबित रहने पर कड़ी नाराजगी जताई और एक माह के अंदर सभी मामलों का निपटारा करने का निर्देश दिया। उन्होंने पेंशन अदालत में मौजूद कार्यालयाध्यक्षों को अपने अधीन रहे सेवानिवृत्त कर्मियों की सेवानिवृत्ति के बाद के सभी देयकों का भुगतान सेवानिवृत्ति की तिथि पर ही करने का निर्देश दिया। साथ ही यह भी कहा कि कार्यालयाध्यक्ष अपने–अपने कार्यालयों के पेंशन संबंधी सभी देयकों के भुगतान आदि मामलों की समीक्षा अपने स्तर से करके भुगतान सुनिश्चित करें। पेंशन अदालत में मंडल के सेवानिवृत्त कर्मियों के पेंशन से संबंधित कुल 37 दावों की सुनवाई की गई। जिसमें से 15 का निपटारा मौके पर ही कर दिया गया। बाकी 22 मामलों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को एक सप्ताह से एक माह के अंदर निपटारा करने का निर्देश दिया गया।

# खड़े ट्रक में टकराने से डीसीएम चालक की मौत

चील्ह।

मिर्जापुर–औराई मार्ग स्थित पुरजागिर के पास सोमवार को सुबह खड़े ट्रक में पीछे से डीसीएम टकरा गई। इस हादसे में डीसीएम चालक की मौके पर ही मौत हो गई। उधर, डीसीएम में बोलेरो टकरा गई। इससे बोलेरो सवार सात लोग घायल हो गए।

औरैया जिले के फंफूद थाने के मीरगामा निवासी राजा उर्फ जावेद (27) डीसीएम चालक थे। वे औराई से मिर्जापुर की ओर जा रहे थे। रास्ते में पुरजागिर के पास बांई ओर खड़े ट्रक में डीसीएम टकरा गई। इससे जावेद की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची चील्ह पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर परिजनों को सूचना दी। चील्ह थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि हादसे में डीसीएम चालक की मौत हो गई। इस हादसे के बाद पीछे से आ रही बोलेरो डीसीएम में टकरा गई। इस हादसे में बोलेरो सवार सात लोग घायल हो गए। सभी घायल प्राथमिक इलाज कराकर चले गए।

# विंध्याचल मंदिर में माता की झांकी के सामने लगी आग

विंध्याचल।

विंध्याचल मंदिर में मां विंध्यवासिनी की झांकी के ठीक सामने सोमवार को दोपहर बाद आग लग गई। लपटें उठतीं देख दर्शन–पूजन के लिए आए श्रद्धालु तितर–बितर हो गए। देखते ही देखते मंदिर परिसर खाली हो गया। हालांकि, पुलिस ने लोगों के सहयोग से अग्निशमन यंत्र के सहारे आग पर काबू किया। गनीमत रही कि घटना के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या कम थी, अन्यथा बड़ी घटना हो सकती थी।

मंदिर में मां विंध्यवासिनी के गर्भगृह के बाहर झांकी (खिड़की) के ठीक सामने एक कुंड के पास श्रद्धालु अक्सर घी के दीपक आदि जलाते हैं। इससे फर्श और दीवार पर घी की परत जम गई है। सोमवार को दोपहर में मां विंध्यवासिनी के शृंगार व आरती के बाद किसी श्रद्धालु ने झांकी के सामने फर्श पर कपूर जला दिया। ज्यादा मात्रा में कपूर जलाए जाने से घी ने आग पकड़ ली। आग की लपटें उठती देख दर्शन–पूजन के लिए पहुंचे श्रद्धालु तितर–बितर हो गए। सूचना पर तीर्थ पुरोहित के अलावा धाम चौकी प्रभारी राजेश कुमार मिश्रा मौके पर पहुंचे। लोगों से सहयोग से पुलिस ने अग्निशमन यंत्र के जरिये आग पर काबू किया। आग की पूर्व में हुई घटनाओं के चलते उस स्थान पर कपूर और दीपक जलाना प्रतिबंधित है। इसके लिए कॉरिडोर परिसर में नवनिर्मित हवन कुंड पर स्थान निर्धारित किया गया है। इसके बावजूद लोग यहां दीपक जलाते हैं। एएसपी सिटी नितेश सिंह का कहना है कि झांकी के सामने कपूर जलाने से कुछ देर के लिए आग लगी थी। जिसे बुझा लिया गया। कोई घटना नहीं हुई है।

# खड़े ट्रक में टकराने से डीसीएम चालक की मौत

चील्ह।

मिर्जापुर–औराई मार्ग स्थित पुरजागिर के पास सोमवार को सुबह खड़े ट्रक में पीछे से डीसीएम टकरा गई। इस हादसे में डीसीएम चालक की मौके पर ही मौत हो गई। उधर, डीसीएम में बोलेरो टकरा गई। इससे बोलेरो सवार सात लोग घायल हो गए। औरैया जिले के फंफूद थाने के मीरगामा निवासी राजा उर्फ जावेद (27) डीसीएम चालक थे। वे औराई से मिर्जापुर की ओर जा रहे थे। रास्ते में पुरजागिर के पास बांई ओर खड़े ट्रक में डीसीएम टकरा गई। इससे जावेद की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची चील्ह पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर परिजनों को सूचना दी। चील्ह थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि हादसे में डीसीएम चालक की मौत हो गई। इस हादसे के बाद पीछे से आ रही बोलेरो डीसीएम में टकरा गई। इस हादसे में बोलेरो सवार सात लोग घायल हो गए। सभी घायल प्राथमिक इलाज कराकर चले गए।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633 / 387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।